आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
वासुदेव द्वादशी

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 349 | इंदौर, रविवार 26 जुलाई, 2026 | आषाढ़ शुक्ल 12 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

पितृपुरुष परमश्रद्धेय स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता की 111वीं जयंती पर वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ और उज्जयिनी रक्त संचार संस्था का मेगा रक्तदान शिविर

आज सुबह 11 बजे से 'रक्तांजलि' देने उमड़ेंगे कासमास मॉल में रक्तदाता

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शहर के दानी रक्तदाता रविवार को लोकप्रिय समाचार पत्र दैनिक अवंतिका अपने पितृपुरुष परमश्रद्धेय 'दा साब' पं. गोवर्धनलाल मेहता की 111वीं जयंती के पावन अवसर पर उन्हें 'रक्तांजलि' देने उमड़ेंगे। कासमास माल में रविवार 26 जुलाई को सुबह 11 बजे यह आयोजन होगा। वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ एवं उज्जयिनी रक्त संचार संस्था मानवसेवा का यह अनूठा आयोजन स्वैच्छिक रक्तदान शिविर से करने जा रहा है।

दैनिक अवंतिका के संपादक संदीप मेहता ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ती दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन, थैलेसीमिया तथा अन्य आपात परिस्थितियों में समय में रक्त की आवश्यकता पड़ना सामान्य बात हो चली है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता को लेकर अक्सर लोगों को परेशान होते देखा गया है। इन सामाजिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए रक्तदान के प्रति आमजन को अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य को साथ लेकर जागरूकता बढ़ाने और ब्लड बैंकों में पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

रक्तदान से अनेक लाभ

शिक्षाविद व समाजसेवी पं. राहुल शुक्ल के अनुसार रक्तदान करना केवल दूसरों की मदद करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आपके स्वयं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का भी एक तरीका है। रक्तदान करने के अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। प्रत्येक दान के साथ एक निःशुल्क मिनी-स्वास्थ्य जांच हो जाती है इस व्यापक जांच में महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों की निगरानी और रक्त परीक्षण शामिल हैं, जिनसे संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की शीघ्र पहचान की जा सकती है। दाता स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से आप अपने स्वास्थ्य मापदंडों के बारे में जान सकते हैं। नब्ज दर, रक्तचाप रीडिंग, हीमोग्लोबिन का स्तर, रक्त प्रकार इसमें शामिल है। शोध से पता चलता है कि नियमित रक्तदान करने वालों में स्ट्रोक का खतरा 88% कम होता है। हृदय संबंधि मामलों में रक्तदान करने से रक्त की चिपचिपाहट और लौह स्तर को कम करके हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। प्रत्येक रक्तदान से लगभग 600-650 कैलोरी जलती है, क्योंकि हमारा शरीर दान किए गए रक्त को प्रतिस्थापित करने का काम करता है। ऐसे में वजन संबंधित समस्या से भी निजात पा सकते हैं। रक्तदान करने के 48 घंटों के भीतर आपका शरीर नई लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन शुरू कर देता है। यदि आपको आनुवंशिक हीमोक्रोमैटोसिस है, तो नियमित रूप से रक्तदान करने से वास्तव में आपको बेहतर महसूस करने और अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। साथ ही, इससे किसी और की मदद भी कर पाते हैं। इससे मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं।

आगे आकर 'रक्तांजलि' में शामिल हों

वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ की ओर से अभिलाष नागर, चैतन्य चौधरी, नरेंद्र सहगल, शेख जमील, अविनाश श्रीवास, अनिल देवड़ा, मुश्ताक खान एवं जी.आर. जरिया और उज्जयिनी रक्त संचार समिति की ओर से सुनील गुप्ता, रूपेश बीडवान, अलका शर्मा एवं रितेश बोरिया ने शहर के युवाओं, महिलाओं, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, कर्मचारियों एवं सभी जागरूक नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुँचकर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की है। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान महादान है। आपके द्वारा किया गया एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से इस पुनीत अभियान में सहभागी बनकर मानव सेवा के इस महायज्ञ को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए' प्रेरित करने का आग्रह किया।

रक्तदान कर नायक बनें

हर तीन में से एक व्यक्ति को जीवन में कभी न कभी रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ेगी। यह किसी दुर्घटना, सर्जरी या कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्या के कारण हो सकता है। दानदाताओं जैसे दयालु सामुदायिक नायकों के बिना, रक्त की आवश्यकता वाले कुछ लोगों की मृत्यु हो सकती है। मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसीलिए जो भी सक्षम है, उसके लिए रक्तदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज ही रक्तदान करके एक नायक बनें। दूसरों की मदद करना वाकई सुकून देता है।

नैनो न्यूज

- कनाडा में पंजाब की छात्रा की गला घोंटकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार।
- इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के वकील करीम खान पद से हटाए गए, यौन उत्पीड़न का आरोप।
- सीरिया के देइर अल-जोर-दमिश्क राजमार्ग पर दो बसों की टक्कर, 35 लोगों की मौत, 30 घायल।
- पैलेट गन और इलेक्ट्रिक शॉक पर रोक, नाटो के प्रोटोकॉल से चलेगी बंदूक, सीआरपीएफ के 2 हजार जवान एयरलिफ्ट।
- भारत ने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का ट्रायल किया, सेना के कम्युनिकेशन नेटवर्क से जुड़ सकता है, ड्रोन के झुंड को रोक सकता है।
- डोनाल्ड ट्रंप बोले- ईरान के खिलाफ अमेरिका पूरी तरह तैयार है, दक्षिणी लेबनान में जोरदार धमाका।
- बदायूं में सुहागरात पर सांप के डसने से दूल्हे की मौत, दुल्हन की उजड़ी दुनिया, परिवार में मचा कोहराम।
- इस सप्ताह खत्म हो रही हैं ये बड़ी भर्तियां, 10000+ पदों पर सरकारी नौकरी का मौका, अभी भरें फॉर्म।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म, तीनों मांगे मानी

प्रधान का इस्तीफा, केस वापसी और मुआवजा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं।

इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया।

सोनम वांगचुक ने सरकार के कदमों का स्वागत किया

गुरुग्राम में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार और धर्मेंद्र प्रधान द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की जीत बताया और सभी देशवासियों को बधाई दी। वांगचुक ने सीजेपी टीम, स्वयंसेवकों, छात्रों, युवाओं और बुजुर्गों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने लोकतंत्र के लिए आवाज उठाई। उन्होंने सभी द्वारा शांति बनाए रखने के तरीके का सम्मान किया और भविष्य में भी शांति की उम्मीद जताई। वांगचुक ने कहा कि केवल इस्तीफे से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता। उन्होंने शिक्षा और शासन में सुधारों पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल्ली मेट्रो ने बंद सभी स्टेशनों को खोला- डीएमआरसी ने जानकारी देते हुए कहा कि सभी स्टेशनों पर आवाजाही को खोल दिया गया है। मेट्रो ने प्रदर्शन के बीच जंतर मंतर के आस पास 18 स्टेशनों पर एंट्री एग्जिट को बंद कर दिया था।

सीजेपी के आंदोलन वापसी के बाद आंदोलनकारियों की घर वापसी- जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारी जश्न मना रहे हैं। वहीं सरकार के साथ बातचीत के तीसरे दौर के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया और प्रदर्शनकारियों से अपने घर लौटने की अपील की।

पीएम मोदी मांगे माफी, छात्रों पर हिंसा के लिए अमित शाह जिम्मेदार

राहुल गांधी ने कहा कि यह देश के छात्रों की जीत है और शिक्षा प्रणाली की रक्षा की एक बड़ी प्रतिक्रिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो शिक्षा प्रणाली कभी भारत की शान हुआ करती थी, उस पर पिछले कुछ वर्षों से लगातार हमले हो रहे हैं, उसका व्यवसायीकरण किया जा रहा है और उस पर वैचारिक कब्जा जमाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने निवर्तमान शिक्षा मंत्री को इस प्रशासनिक नाकामी, भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था के विनाश का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जाना सही कदम है, लेकिन समस्या केवल एक व्यक्ति के हटने से खत्म नहीं होती।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने पुलिस को बनाया निशाना

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने हाल ही में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की मदद ली गई। इस आधुनिक प्रणाली से 2 हजार से अधिक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की पहचान की गई है।

ये पहचान किए गए लोग प्रदर्शनकारी भीड़ में घुस गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना था। इस दौरान 130 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अब तक इस मामले में कुल 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस लगातार जांच कर रही है। अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है। फेशियल रिकग्निशन सिस्टम ने संदिग्धों की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिल्ली पुलिस ने आधुनिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस तकनीक से भीड़ में मौजूद संदिग्ध चेहरों को पहचाना गया। सिस्टम ने हजारों लोगों के डेटाबेस से मिलान किया। इससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सटीक पहचान संभव हो पाई।

प्रदर्शन के दौरान आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने पुलिस को निशाना बनाया। इन सुनियोजित हमलों में 130 पुलिसकर्मी घायल हो गए। अब तक कुल 15 प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गई हैं। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

आखिर खुदाई से मुक्ति कब मिलेगी

पिछले करीब 8 वर्षों से शहर में गंदे पानी की निकासी के लिए व्यवस्था की जा रही है। गली से लेकर मुख्य मार्ग तक खोद दिए गए हैं और बराबर खोदे जा रहे हैं। हालत यह है कि खुदाई का काम खत्म ही नहीं हो रहा है। कई स्थानों पर तो एक की बजाय दो-दो बार खुदाई की जा रही है। पूर्व में हुई खुदाई के बाद फिर एक रिपेयरिंग सड़क पर की जा रही है। रहवासी क्षेत्रों में जहां सालों पहले खुदाई की गई वहां अब भी पूरा गंदा पानी नालियों में बह रहा है। अब तक लाईन से उन्हें जोड़ने की स्थिति ही स्पष्ट नहीं हो सकी है। अधिकांश क्षेत्र के यही हाल हैं और काम अंतिम चरण में बताया जा रहा है। शहर के प्रमुख क्षेत्रों में ही वर्तमान में खुदाई की जा रही है जहां के बगैर लाईन सिवरेज स्थल के लिए ले जाना है। काम को अंतिम चरण में पिछले 3 सालों से बताया जा रहा है लेकिन काम है कि पूरा ही नहीं हो पा रहा है। अभी भी कहा जा रहा है कि मात्र कुछ फीसदी काम शेष है ऐसे में यह काम है कि पूरा ही नहीं हो रहा है। शहर की गली से लेकर मुख्य सडकों तक में थेगले लगाए गए हैं। अच्छी खासी बनी सड़कों पर रिपेयरिंग का थेगला मखमल में टाटा के पेबंद की तरह से नजर आ रहा है। जिस सडक पर जाओं बीच में रिपेयरिंग सांप की तरह से दिखाई देती है। अगर उस रिपेयरिंग के सांप पर राहगीर एवं वाहन चालक जरा सी भी असावधानी बरते तो कब और कहां गड्ढा आ जाएगा कोई नहीं बता सकता है। कहां रिपेयरिंग सड़क के धरातल से अंदर धंस गई है इसे भी पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता है। कहां पर चेंबर ऊंचा है और सड़क नीची और कहां पर चेंबर नीचा और सडक उंची कहा नहीं जा सकता है। आधी सड़कों की हालत तो इसी कारण से खराब पड़ी है। यहां तक की रिपेयरिंग में बराबर मटेरियल की भरपाई भी नहीं की जा रही है और न ही मटेरियल को पर्याप्त तौर पर दबाया भी नहीं जा रहा है। खुसूर-फुसूर है कि पिछले 8 सालों से लगातार काम के बावजूद शहर के मुख्य क्षेत्रों में अब जाकर लाइन डालने का काम किया जा रहा है। असल में कंपनी ने पेटी कांटेक्ट में जो काम दिया था उसमें ठेकेदारों से जितना काम हुआ किया और माल लेकर निकल लिए। कंपनी भरोसे में रही काम बाकी रहे। धीरे-धीरे अब समस्याओं की स्थिति सामने आ रही है जब लाइनों की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। पिछले वर्षों में कंपनी के भी कई यंत्री फुर्र हो गए इससे समस्या और बढ़ गई। अभी भी कई सारी स्थितियों को लेकर समस्या ही समस्या है। कंपनी के चेंबर की सफाई के दौरान ही हाल ही में एक हादसा हुआ है। जब इतनी कम समयावधि में ही इस लाईन के ये हाल हो गए हैं जिसमें तो अभी पुरा शहर जुड़ा ही नहीं है। पूरा शहर जब जुड़ेगा तो क्या होगा और उस स्थिति में कैसे हाल होंगे। वैसे अभी तो आमजन में यही खुसूर-फुसूर है कि आखिर खुदाई का यह काम कब और किस मुहूर्त में पूर्ण होगा और आखिर इसे किस नखेतरी मुहूर्त में शुरू किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

- नया उदासीन अखाड़े के मकान पर कब्जा, मंगलदास के खिलाफ उज्जैन कलेक्टर से होगी शिकायत।
- छात्रों के आंदोलन पर राजनीतिक रोटियां सेंक रहा समूचा विपक्ष, भाजपा विक्रमादित्य मंडल उपाध्यक्ष मंगेश श्रीवास्तव ने कांग्रेस और सपा पर साधा निशाना
- माधव साइंस कॉलेज में 30 जुलाई को होंगी आठ प्रतियोगिताएं, युवाओं के पास राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चमकने का मौका, 27 तक करें ऑनलाइन आवेदन
- 28 जुलाई से चातुर्मास आराधना, 27 को साध्वी वृंद का होगा मंगल प्रवेश, महाराष्ट्र समाज धर्मशाला से निकलेगा सामैया, रंगमहल धर्मशाला में होगी धर्मसभा
- दत्त अखाड़े में पीर महंत राम गिरि जी की पुण्यतिथि पर पूजन व संत भंडारा, वार्षिक पूजन, आरती एवं संत भंडारे का आयोजन किया गया।
- 25 जुलाई से शुरू होगा एआरओआई का दो दिवसीय सम्मेलन, 200 से अधिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

ट्रेंडिंग

उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक दो किलोमीटर का बनना है

सालों बीते रोप-वे के गड्ढे भी भरने लगे

निर्माण के लिए 209 करोड़ रुपये सरकार ने मंजूर किए हैं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

केन्द्र सरकार ने उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक ट्राम टाईप रोप-वे के लिए 209 करोड़ रूपए मंजूर किए थे। इसका ठेका भी हो चुका था। काम की शुरूआत में इसके लिए गड्ढे किए गए और बाद में पूरा काम डंप हो गया। अब हाल यह हैं कि रेलवे क्षेत्र में किए गए गड्ढे एक बार फिर से भरने लगे हैं और दुर्घटना का कारण भी बने हैं। हाल ही में एक मजदूर के बच्चे की इसके गड्ढे में गिरकर मौत हुई थी।

रोप-वे का निर्माण दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। खास यह कि रोप-वे से श्रद्धालु रेलवे स्टेशन से श्री महाकालेश्वर मंदिर तक का पौने दो किमी का सफर 7 मिनट में तय करने की प्रारंभिक जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने साक्षा की थी। इसके बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई जो चिटी की चाल पकडे हुए हैं। रोपवे स्टेशन में लोगों के लिए फूड जोन, वेटिंग एरिया, शौचालय के साथ-साथ बस और कार पार्किंग की भी सुविधा होगी।

नोटिस के बाद काम चला फिर बंद हुआ

कुछ माह पूर्व काम को लेकर एक नोटिस आया था कि समय अवधि में आप काम कर नहीं पा रहे हो तो इस काम को कैंसिल कर दिया जाएगा और इसके बाद काम रुक गया था। जैसे-तैसे काम शुरू हुआ तो एक बार फिर से पिछले माहों से रूका पड़ा है।

सिंहस्थ तक हो पायेगा पूरा या नहीं शंका में

रोप-वे का फायदा सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को मिल सके इसके चलते यह योजना लाई गई थी। यह योजना अभी तो शंका कुशंकाओं में घिरी हुई है कि आने वाले डेढ़ साल में रोप-वे शुरू भी हो सकेगा या नहीं। अभी तो रोप-वे के प्रारंभिक निर्माण में ही बाधा बनी हुई है।

कर्मचारी संघों के साथ बैठक में विभिन्न मांगों पर बनी सहमति

डाईंग केडर के पदों पर भी पदोन्नति की कार्यवाही की जावे - आयुक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मेला कार्यालय स्थित स्मार्ट सिटी बैठक कक्ष में कर्मचारी संघों के पदाधिकारियों के साथ आयुक्त ने बैठक लेकर कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मांगों पर सहमति बनी और संबंधित अधिकारियों को मांगों का निराकरण किये जाने के निर्देश भी दिये।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक रामचंद्र कोरट ने कर्मचारियों से संबंधित बिन्दुओं का मांग-पत्र आयुक्त अभिलाष मिश्रा को प्रेषित किया। कोरट ने कहा कि पदोन्नति से संबंधित कार्यवाही में श्रमिकों को पदोन्नत नहीं किया गया है जबकि अन्य नगर निगमों में श्रमिकों को पदोन्नत करने की कार्यवाही की गई है इसके अतिरिक्त सहायक उपयंत्री, सर्वेयर, सहायक वायरमेन सहित अन्य पदों पर भी कर्मचारियों को पदोन्नत नहीं किया गया। इस पर आयुक्त मिश्रा ने स्थापना अधिकारियों को निर्देशित किया कि डाईंग केडर के पदों पर भी पदोन्नति की कार्यवाही की जावे। जिन कर्मचारियों को पदोन्नति के लाभ से वंचित रखा गया है उन पर भी पदोन्नति समिति में विचार किया जावे। अन्य बिन्दुओं में आयुक्त ने निर्देशित किया कि कर्मचारियों के जांच के प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण किया जावे। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की 10 प्रतिशत राशि रोकी जाती है लेकिन 4-5 वर्ष बीत जाने के बाद भी पेंशन विभाग द्वारा फाइलों का निराकरण नहीं कराया जाता है। इस पर आयुक्त ने निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की 10 प्रतिशत राशि की फाइलों का निराकरण सेवानिवृत्ति के पश्चात 6 माह में ही कर दिया जावे और जिन फाइलों को 4-5 वर्ष हो चुके हैं, उन्हें तुरंत निराकृत किया जावे। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कर्मचारियों से अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया जावे। सफाई कर्मचारियों की बस्ती में स्थित मांगलिक भवनों के मरम्मत, रख-रखाव अन्य सुविधाओं के लिये झोन स्तर पर कर्मचारी नियुक्त किये जाने के निर्देश दिये गये।

बैठक में संबंधित अधिकारियों के साथ ही तीनों कर्मचारी संघ के पदाधिकारी सर्वश्री डॉ. पवन व्यास, चंदगीराम टांकले, रमेशचंद्र निगम, रमेशचंद्र रघुवंशी, अजयप्रकाश मेहता, मनसुख मेहरवाल, संदीप कलोसिया, शैलेष नागर, संतोष शर्मा, सुरेन्द्र सारवान, कमलेश चावरे उपस्थित रहे।

सुविधाओं की नई सौगात के साथ

47 करोड़ की लागत से निर्मित प्रतिकल्पा सपनों का आशियाना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा पहली बार शहर के मध्य में नानाखेड़ा बसस्टैंड के सामने एक सर्वसुविधायुक्त वाणिज्यिक एवं आवासीय कॉम्पलेक्स प्रतिकल्पा का निर्माण कार्य किया गया है यह काम्पलेक्स शापिंग मॉल की तर्ज पर निर्मित किया गया है।

काम्पलेक्स का कुल निर्मित क्षेत्रफल 150000 वर्गफीट है, जिसके भूतल पर 9 बड़ी व्यावसायिक दुकानें, प्रथम तल पर 11 दुकानें निर्मित की गई जो पूर्ण रूप से वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध रहेगी साथ ही द्वितीय तल से सातवें तल तक 29 (3बीएचके) एवं 24 (2बीएचके) निर्मित किये गये साथ ही कॉम्पलेक्स में कुल 6 सर्वसुविधायुक्त लिफ्ट भी लगाई है एवं 2 लोअर बेसमेंट भी निर्मित किये गये है जिसमें लगभग 80 कार पार्किंग की व्यवस्था है । इस कार्य की लागत रू. 47.00 करोड़ है। कॉम्पलेक्स का मुख्य आकर्षण 3 साल तक कोई संधारण चार्ज नही होना साथ ही पूर्णतः वातानुकूलित परिसर तथा लोअर बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोअर पर विशाल पार्किंग एवं 6 हाईस्पीट लिफ्ट और आवासीय एवं वाणिज्यिक परिसर हेतु 3 अलग अलग सीढ़ियों की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही पुरूषों, महिलओं एवं दिव्यांगों हेतु अलग अलग आधुनिक शौचालयों का निर्माण भी किया गया है। उक्त परिसर में 68 विभिन्न आकार वर्ग एवं श्रेणी की आवासीय एवं वाणिज्यिक सम्पत्तियों की ऑनलाइन बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है क्रय व्यक्ति करने के लिए इच्छुक वेबसाइट पर जाकर आवेदन फार्म भर सकते हैं। आनलाईन बोली प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 08 अगस्त है।

श्री बांके बिहारी मंदिर में देवशयनी एकादशी पर होंगे कीर्तन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शनिवार को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन से भगवान श्री हरि अगले चार माह के लिए योग निद्रा में प्रवेश करेंगे।

मंगलनाथ मार्ग अंकपात स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर पर एकादशी पर शनिवार सुबह भगवान का विशेष श्रृंगार होगा। व्यवस्थापक पं. वासुदेव शास्त्री ने बताया कि देवशयनी एकादशी पर भगवान शालिगराम के पूजन का विशेष फल बताया गया है। पूजन-अभिषेक और आरती के बाद प्रसाद वितरण होगा। दिन में भजनों का आयोजन होगा।

सावन में रविवार को खुलेंगे स्कूल सोमवार को रहेगी छुट्टी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भगवान महाकाल की सावन सवारी के दौरान शहर में उमड़ने वाली भारी भीड़ और यातायात जाम को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के संचालन में बदलाव करने का निर्णय लिया है। 3 अगस्त से 31 अगस्त तक उज्जैन शहर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सोमवार को अवकाश रहेगा, जबकि उसकी भरपाई के लिए रविवार को नियमित कक्षाएं लगेंगी। सावन माह की शुरूआत 30 जुलाई से हो रही है। इस वर्ष भगवान महाकाल की कुल छह सवारियां निकाली जाएंगी। इनमें सावन माह में चार सवारियां 3, 10, 17 और 24 अगस्त को निकलेंगी। इसके बाद भादौ माह में 31 अगस्त को पांचवीं सवारी और 7 सितंबर को राजसी (शाही) सवारी निकाली जाएगी।

भगवान महाकाल की शरण में पहुंचे पूर्व क्रिकेटर

अनुरीत सिंह ने जूना महाकाल में किया अभिषेक-पूजन

युवा खिलाड़ियों के बारे में बोले— मेहनत करते रहिए, सफलता का मार्ग जरूर खुलेगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी अनुरीत सिंह ने शुक्रवार को परिवार सहित उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। दर्शन के पश्चात वे जूना महाकाल मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से अनुष्ठान एवं अभिषेक किया। जूना महाकाल में पंडित आकाश रावल ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनकी पूजा-अर्चना संपन्न कराई।

महाकाल दर्शन के बाद दैनिक अवंतिका से विशेष बातचीत में अनुरीत सिंह ने कहा कि उज्जैन आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान महाकाल के दर्शन उनके लिए अत्यंत सुखद और अविस्मरणीय रहे। तथा परिवार के साथ यह धार्मिक यात्रा उनके लिए विशेष महत्व रखती है। अनुरीत सिंह ने युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ी लगातार मेहनत करते रहें। चाहे क्रिकेट हो या कोई अन्य खेल, समर्पण और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को जीवन में एक बार बाबा महाकाल के दर्शन अवश्य करने चाहिए। उनके अनुसार, महाकाल का आशीर्वाद मिलने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

गौरतलब है कि अनुरीत सिंह वर्ष 2014 में आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब हिस्सा रहे हैं। इसके बाद वर्ष 2018 में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी आईपीएल में खेला। उज्जैन प्रवास के दौरान उनका धार्मिक आस्था के प्रति समर्पण भी देखने को मिला।

पालनकर्ता भगवान विष्णु 4 महीनों के लिए क्षीरसागर में योग निद्रा में

किसी भी तरह के मांगलिक कार्य नहीं होंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

25 जुलाई 2026 के आखिरी सप्ताह में चातुर्मास की शुरूआत होने जा रही है, इसके बाद आगे आने वाले 4 महीने की लंबी अवधि के दौरान किसी भी तरह के मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि जगत के पालनकर्ता भगवान विष्णु 4 महीनों के लिए क्षीरसागर में योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान पृथ्वी का संपूर्ण कार्यभार महादेव संभालते हैं।

एस्ट्रोपत्री के ज्योतिषी चंद्रेश शर्मा के अनुसार, शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी इस साल 25 जुलाई, 2026 शनिवार के दिन है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु आने वाले 4 महीने के लिए क्षीर सागर में योग निद्रा के लिए चले जाते हैं।

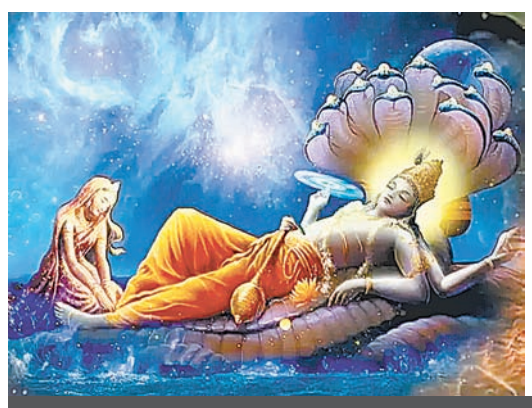

वैज्ञानिक नजरिए से भी क्यों खास है देवशयनी एकादशी?

धार्मिक कथाओं के साथ-साथ इस समय का एक बहुत बड़ा मौसमी महत्व भी बताया गया है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह वर्षा ऋतु का समय होता है, जब वातावरण में नमी बढ़ने के कारण कई प्रकार की संक्रामक बीमारियां तेजी से बढ़ती हैं। इस मौसम में शरीर की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए इन चार महीनों में व्रत रखने और बेहद संयमित जीवन जीने की सलाह दी जाती है ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे।

- देवशयनी एकादशी केवल भगवान के सोने का दिन नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और मनुष्य को विश्राम और आत्ममंथन का संदेश देती है। जब जगत के स्वामी ठहरते हैं, तो हमें भी अपनी भागदौड़ रोककर भक्ति में लीन होना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस विशेष तिथि का संबंध भगवान विष्णु के एक महान युद्ध और उसके बाद विश्राम की कथा से भी जुड़ा है। माना जाता है कि, भगवान विष्णु शंखासुर नामक दैत्य का वध करने के बाद थककर चार महीने के लिए क्षीरसागर में सो जाते हैं।
- भगवान के इस शयन काल को ही देवशयनी एकादशी कहा जाता है, जिसके बाद से पूरे चार महीनों के लिए सृष्टि के संचालन की गति बदल जाती है और सांसारिक कार्यों पर विराम लग जाता है।

आज रखा जाएगा देवशयनी एकादशी व्रत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

एकादशी तिथि को भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए शुभ मानी जाती है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही विधिपूर्वक व्रत भी किया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर देवशयनी एकादशी मनाई जाती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरूआत 24 जुलाई को सुबह 9.12 मिनट पर हो गई है। वहीं, इस तिथि का समापन 25 जुलाई को सुबह 11.34 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, इस बार देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को मनाई जाएगी। एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर किया जाता है। देवशयनी एकादशी व्रत का पारण 26 जुलाई को किया जाएगा।

देवशयनी एकादशी पूजा विधि

देवशयनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। पीले वस्त्र धारण कर सूर्य को अर्घ्य दें। इसके बाद मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें। पीले फूल अर्पित करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें। सच्चे मन से व्रत कथा का पाठ करें। विष्णु चालीसा और मंत्रों का जप करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। आखिरी में लोगों में प्रसाद बाटें।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | रविवार 26 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

विसंगति से परेशान महिला को मिला हाथों-हाथ मिला समाधान

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार इंदौर जिले में राजस्व एवं अन्य प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विभिन्न राजस्व निरीक्षक वृत्तों में राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में बांक ग्राम में आयोजित एक राजस्व शिविर में एक महिला ने अपने पति के मृत्यु प्रमाण-पत्र नहीं बनने की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी। महिला ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने तत्काल जांच कराई। डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि वर्मा ने बताया कि संबंधित प्रकरण में मृत्यु तिथि आदि को लेकर विसंगति थी, क्योंकि यह आत्महत्या से संबंधित मामला था।

पीएम श्रम योगी मानधन योजना के तहत पंजीयन शिविर आयोजित

इंदौर। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना संचालित की जा रही है। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र श्रमिक मासिक 55 रुपये से अंशदान जमा कर 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मासिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। श्रमिक द्वारा जमा किए जाने वाले अंशदान के बराबर राशि भारत सरकार द्वारा भी जमा की जाती है। बताया गया कि ऐसे श्रमिक, जो कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हैं तथा जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये तक है, वे इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि इच्छुक श्रमिक देवी अहिल्या मार्ग इंदौर स्थित सहायक श्रमायुक्त कार्यालय में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

एक सप्ताह से चल रहे ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन

इंदौर। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्देश पर जिले के एकमात्र शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कालेज में एक सप्ताह के ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। संस्था प्राचार्य विजया शिन्दे ने बताया कि विगत 20 से 24 जुलाई तक आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता लाना तथा नव प्रवेशित छात्राओं को विश्वविद्यालय एवं कालेज संबंधी संपूर्ण जानकारी से अवगत कराना है। साथ ही विषय विशेषज्ञ द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. सविता सिसोदिया द्वारा टीम वर्क का महत्व बताते हुए कहा कि टीम वर्क व्यक्तिगत और संगठनात्मक लक्ष्यों को पाने में मदद करता है। अनस अंसारी द्वारा स्वास्थ्य और कल्याण के विभिन्न पहलुओं, महत्व और इसे बनाए रखने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इंदौर में आयोजित किये गए राजस्व शिविर

इंदौर। इंदौर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए राजस्व निरीक्षक वृत्त स्तर पर विशेष राजस्व जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव में ही राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा वर्षों से लंबित प्रकरणों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले की मल्हारगंज तहसील के ग्राम बांक, सांवेर तहसील के ग्राम धरमपुरी तथा महू में विशेष राजस्व जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। शिविरों में प्राप्त अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई। शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता संबंधी विवाद, अभिलेखों में त्रुटि सुधार आदि के लगभग पौने चार सौ राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है।

नैनो न्यूज

- **पेपर लीक मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट** - मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने परीक्षा पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए चार विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए हैं। इन मामलों का निपटारा तीन महीने के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है।
- **अगले 72 घंटे भारी बारिश के आसार-** प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम सहित कई संभागों में भारी बारिश, बिजली गिरने और जलभराव का अलर्ट जारी किया गया है।
- **बैतूल में पांच मोरों की मौत** - बैतूल जिले में जहरीला मक्का खाने से पांच राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।
- जलवायु परिवर्तन पर नई चेतावनी - मैनिट और आईआईएसईआर भोपाल के शोध में कहा गया है कि आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश में गर्म रातें और अधिक तीव्र हीटवेव का खतरा बढ़ सकता है।
- जूनियर डॉक्टरों की मांग- मप्र-जुडा ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच और प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा की मांग दोहराई है।
- **किसानों के लिए राहत** - लगातार हो रही बारिश से खरीफ फसलों को लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि निचले इलाकों में जलभराव और खेतों में पानी भरने की आशंका भी जताई गई है।

भोपाल में ट्रायल शुरू, धार्मिक नगरी में सिंहस्थ पूर्व पहुंचेगी

उज्जैन सहित 5 शहरों में दौड़ेगी 587 ई-बस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रदेश के चार बडे शहरों के साथ धर्मनगरी उज्जैन को भी सार्वजनिक परिवहन में आधुनिकता की सौगात मिलने वाली है। केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से प्रदेश के भोपाल,इंदौर,जबलपुर,ग्वालियर के साथ उज्जैन में भी आगामी समय में ई-बसें दौडने की तैयारी की जा रही है। इन 5 शहरों में 587 ई-बसें चलाई जाना हैं। उज्जैन में निर्माण के हालात सामान्य होने के साथ ही इस पर काम शुरू होने की स्थिति बनने वाली है जो सिंहस्थ के पूर्व में अमल में आ सकती है। अभी भोपाल में ट्रायल शुरू किया गया है।

प्रदेश में इस परियोजना का क्रियान्वयन एक निजी एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में 20 ई-बसें भोपाल की सडकों पर उतरेंगी, जिनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़ाकर 100 से अधिक की जाएगी। भोपाल के बाद प्रदेश के चार अन्य बड़े शहरों इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में भी कुल 587 ई-बसों को चलाने की योजना है। अनुबंध की शर्तों के अनुसार बसों की चार्जिंग, रखरखाव और स्टाफ का संपूर्ण खर्च संबंधित ऑपरेटिंग कंपनी ही उठाएगी, जिसके बदले सरकार कंपनी को 58.17 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान करेगी।

भोपाल में किराया तय

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को बेहद किफायती दरों पर वातानुकूलित और आरामदायक सफर की सुविधा प्रदान करना है। इन आधुनिक इलेक्ट्रिक एसी बसों में सफर के लिए यात्रियों को जेब हल्की नहीं करनी पड़ेगी। शुरूआती दरें प्रति किलोमीटर मात्र 1.50 रुपए तय की गई हैं, जबकि न्यूनतम किराया केवल 7 रुपये रखा गया है। इस व्यवस्था के तहत यदि कोई यात्री 10 किलोमीटर की दूरी तय करता है, तो उसे महज 15 रुपए का भुगतान करना होगा। यह दरें आम नागरिक के लिए रोजाना के सफर को बेहद किफायती बनाती हैं।

ऐसी रहेगी ई-बसों में बैठक व्यवस्था

पूर्णतः एयर-कंडीशंड इन बसों में 25 यात्रियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। व्हीलचेयर से आने वाले दिव्यांग यात्रियों के लिए बसों में विशेष हाइड्रोलिक डोर और आरक्षित स्थान का प्रावधान है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बस में दो ऑटोमैटिक गेट दिए गए हैं। जब तक ये दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे, बस आगे नहीं बढ़ेगी। बस के भीतर 8 सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी । आपात स्थिति से निपटने के लिए खिड़कियों के पास इमरजेंसी एग्जिट सिस्टम है।

गेट हो गए लॉक, कांच तोड़कर निकाले शव

खाटू श्यामजी जा रहे श्रद्धालुओं की कार तालाब में गिरी, 5 लोगों की मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा-राजगढ़

राजगढ़ जिले के खुजनेर थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले भीलखेड़ी जोड़ के पास आज एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें एक तेज रफ्तार से जा रही स्विफ्ट कार एमपी 09 सीसी 6414 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित तालाब में जा गिरी। हादसे में कार सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक शाजापुर जिले के अरंडिया व अरंडिया खुर्द निवासी पांच लोग आज सुबह खाटू श्याम जी के दर्शन करने गांव से निकले थे तभी अचानक रास्ते में यह दुखद हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तत्काल खुजनेर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने पहले 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक व्यक्ति में हल्की सांसें चलने के कारण उसे सीपीआर दिया गया, हालांकि, उसे भी बचाया नहीं जा सका।

कार का अगला हिस्सा पूरा डूबा था

खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि दोपहर 12:40 बजे हादसे की सूचना मिली थी। करीब 5 मिनट में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। उस समय कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पानी में डूबा था, जबकि पिछला हिस्सा दिखाई दे रहा था। कार को पहले रस्सी से बाहर खींचा गया। पांचों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों के आधार कार्ड से उनकी पहचान शाजापुर जिले के रहने वालों के रूप में हुई। इसके बाद शाजापुर पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस और परिजनों के मुताबिक, सभी मृतक शाजापुर जिले के अरंडिया और अरनियाखुर्द गांव के रहने वाले थे। वे राजगढ़ में खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के लिए निकले थे। मृतक गोविंद तिवारी अपने बेटे के रिश्ते की बात करने भी जा रहे थे, लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही हादसा हो गया।

कचरा गाड़ी नहीं पहुंचने से रहवासी परेशान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

बड़ा बांगड़दा स्थित कंचन लीला टाउनशिप के रहवासी इन दिनों मूलभूत नागरिक सुविधा के अभाव से जूझ रहे हैं। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण गाड़ी यहां नियमित रूप से नहीं आती। इसके चलते लोगों को मजबूरी में खाली प्लॉटों में कचरा फेंकना पड़ रहा है, जिससे गंदगी, मच्छरों और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्रीय नागरिक पवन अनिया और अरविंद दुबे ने कहा की यदि समय पर कचरा उठाने की व्यवस्था नहीं होगी तो पूरी कॉलोनी में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। इस संबंध में जोन 16 सी एस आई मोहित पवार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि जिस क्षेत्र का जीपीएस रूट नगर निगम के रिकॉर्ड में दर्ज होता है, कचरा वाहन उसी मार्ग पर संचालित होता है।

रहवासियों ने कहा- स्नेहलतागंज बन सकता है दूसरा भागीरथपुरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

स्नेहलता गंज के रहवासी इन दिनों बोरिंग और नलों में आ रहे गंदे और बदबूदार पानी से परेशान हैं। गंदा पानी पीने के कारण बीमार हुए 10 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है।

स्नेहलता गंज स्थित प्रेम पैराडाइज के रहवासियों ने बताया कि उनकी बिल्डिंग के पास से ड्रेनेज लाइन गुजर रही है जो सेंट्रल जेल तक जाती है। यह ड्रेनेज लाइन लंबे समय से चौक है। इसके कारण उनकी बिल्डिंग में स्थित बोरिंग और नर्मदा लाइन में पिछले माह से गंदा बदबूदार पानी आ रहा है। इस पानी के पीने से 10 से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं। जिनका इलाज अभी घर पर ही चल रहा है। रहवासियों ने बताया कि स्नेहलता गंज की और भी बहुमंजिला इमारतों में यह समस्या है। कई बार नगर निगम को शिकायत कर चुके हैं लेकिन निगम का एक ही जवाब रहता है कि यह लाइन नई डाली जाएगी तभी पूरी तरह समस्या हल हो पाएगी। रहवासियों ने बताया कि वह सोमवार को नगर निगम आयुक्त से भी इस संबंध में मिलने वाले हैं।

अशोक बरनवाल के मुख्य सचिव बनते ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश के नए मुख्य सचिव अशोक बरनवाल ने पद संभालते ही बड़े प्रशासनिक फेरबदल किए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव से सलाह के बाद शुक्रवार देर रात वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

मुख्यमंत्री के एसीएस नीरज मंडलोई को अब 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027' के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही वे उद्योग और एमएसएसई विभाग भी संभालेंगे। वे राघवेंद्र सिंह की जगह लेंगे। वहीं राघवेंद्र सिंह को वन विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। उनकी जगह संदीप यादव ने ली है। संदीप यादव को जल संसाधन विभाग का प्रधान सचिव बनाकर अहम 'केन-बेतवा' और 'पार्वती-कालीसिंध' परियोजना की जिम्मेदारी दी गई है।

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण एनवीडीए और राजस्व विभाग की कमान ई. रमेश कुमार को सौंपी गई है। यादव और कुमार दोनों डॉ. राजेश राजोरा की जगह ले रहे हैं। राजोरा को आरसीपीवी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

श्रावण-भादौ में उज्जैन रेलवे स्टेशन पर मिनी सिंहस्थ का ट्रायल

ड्रोन से निगरानी, एयरपोर्ट जैसी प्रवेश एवं निकासी

ट्रेन आने से 30 मिनट पहले ही संबंधित यात्रियों को प्रवेश मिलेगा

देवासगेट क्षेत्र से प्रवेश,माधवनगर की और निकासी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण मास में उज्जैन रेलवे स्टेशन पर ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी और एयरपोर्ट की तर्ज पर यात्रियों की प्रवेश एवं निकासी की योजना को अंजाम दिया जाएगा। एक तरह से मिनी सिंहस्थ का ट्रायल किया जाने वाला है। आरपीएफ थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव के अनुसार श्रावण में प्रतिदिन 90-95 हजार श्रद्धालुओं की बुकिंग सामने आ रही है। इसके चलते यात्रियों को बेहतर व्यवस्था और सुरक्षा प्रदान करना हमारा दायित्व है।

श्रावण-भादौ मास में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए इस बार उज्जैन में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। इसी को देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। अतिरिक्त ट्रेनों से लेकर ड्रोन निगरानी और एयरपोर्ट जैसी एंट्री व्यवस्था तक कई नए इंतजाम किए जा रहे हैं।

29 जुलाई से 7 सितंबर तक चलने वाले श्रावण-भादौ मास में देशभर से लाखों श्रद्धालु महाकाल मंदिर पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने उज्जैन स्टेशन के लिए विशेष भीड़ प्रबंधन योजना लागू की है। उद्देश्य यह है कि यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके। श्रावण-भादौ के दौरान यात्री संख्या में बढ़ोतरी की पूरी संभावना है। इसमें पिछले वर्ष की अपेक्षा उछाल ही रहने वाला है।

उज्जैन स्टेशन पर प्रतिदिन 70 से अधिक अप एवं डाउन ट्रेनें आती

पिछलें वर्षों में भोपाल-उज्जैन रेलखंड पर श्रावण मास में सिहोर एवं उज्जैन में यात्रियों के दबाव को देखते हुए इस रूट पर तीन अप और तीन डाउन सहित कुल छह अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाई जाती रही हैं जो इस वर्ष भी चलाई जाएंगी। फिलहाल उज्जैन स्टेशन पर प्रतिदिन 70 से अधिक अप एवं डाउन ट्रेनें आती हैं। ऐसे में यात्रियों का दबाव बराबर बढने वाला है। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं स्टेशन पर भीड प्रबंधन को लेकर रेलवे सुरक्षा बल ने अभी से विशेष इंतजाम किए हैं। आरपीएफ टीआई श्री यादव बताते हैं कि स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। ड्रोन के माध्यम से स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाएगी। यात्रियों के लिए वाटरप्रूफ होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है, जहां पेयजल, बैठने और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। अतिरिक्त सुरक्षा बल भी तैनात रहेगा। भीड़ नियंत्रण के लिए एयरोड्रम की तरह इस बार स्टेशन पर प्रवेश और निकासी की व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर से प्रवेश मिलेगा।

सोशल मिडिया से सड़क तक चला आन्दोलन सवाल छोड़ गया...

धर्मेन्द्र प्रधान या जनता प्रधान ?

■ संदीप मेहता

लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि असहमति का सम्मान किया जाए, न कि उसे केवल टकराव में बदल दिया जाए। जंतर-मंतर से उठी छात्रों की आवाज केवल एक मंत्री के इस्तीफे की मांग नहीं थी, बल्कि जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा भी थी। छात्रों का दावा है कि उनका मार्च शांतिपूर्ण था और उन पर अनावश्यक बल प्रयोग किया गया। वहीं पुलिस का कहना है कि संसद क्षेत्र की सुरक्षा और प्रतिबंधों के कारण कार्रवाई करनी पड़ी। इन दावों की निष्पक्ष जांच जरूरी है, क्योंकि लोकतंत्र में राज्य की शक्ति भी जवाबदेही से परे नहीं हो सकती। घटना के बाद जो वीडियो और तस्वीरें सामने आईं और पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठे सवालों ने देशभर में बहस छेड़ दी। यदि कहीं अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी जांच और जिम्मेदारी तय होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी है। और सबसे बड़ी बात, लोकतंत्र की ताकत यही है कि वह असहमति को दबाता नहीं, बल्कि सुनता है। यही किसी परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान है। यही बात जनता पार्टी की सफलता का सबक भी है–अनशन से लेकर लगातार संवाद और नैतिक दबाव की रणनीति। इसी तरह के कदम लोकतंत्र को जीवित रखते हैं, बशर्ते वे अहिंसक, जवाबदेह और संवाद पर आधारित हों।

'जब लाठियां सवालों से भारी पड़ जाएं।' जंतर मंतर से संसद की ओर बढ़ते छात्र सिर्फ अपनी मांगों के साथ आगे बढ़ रहे थे या उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी थी? इस पर अलग-अलग दावे हैं। लेकिन यह साफ है कि इस घटनाक्रम के वीडियो और तस्वीरों ने देशभर में बहस छेड़ दी। सोशल मीडिया पर वायरल दृश्यों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, लाठीचार्ज और अफरातफरी ने लोगों को झकझोर दिया। कई लोगों ने इसे लोकतांत्रिक विरोध पर कठोर कार्रवाई बताया, तो कुछ का तर्क था कि संसद जैसे अति-सुरक्षित क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखना भी जरूरी है। विपक्षी दलों ने सरकार पर असहिष्णुता का आरोप लगाया, और कई सामाजिक कार्यकताओं व शिक्षाविदों ने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने अपनी राय रखी–कई ने घायल छात्रों की तस्वीरें साझा कर गुस्सा और चिंता जताई, तो कुछ ने कहा कि किसी भी प्रदर्शन में कानून का पालन अनिवार्य है।

लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि विरोध की आवाज सुनी जाए। यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, तो संवाद पहला विकल्प होना चाहिए था। और यदि कानून-व्यवस्था को खतरा था, तो कार्रवाई भी कानून के दायरे और न्यूनतम आवश्यक बल तक सीमित रहनी चाहिए थी। यही वजह है कि इस घटना ने केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि शासन, पुलिस और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन की बहस को भी केंद्र में ला दिया।

क्या लोकतंत्र में विरोध की आवाज इतनी असहज हो गई है? इस पूरे घटनाक्रम ने केवल छात्रों के आंदोलन का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर सरकार से असहमति जताने वाले छात्र सड़कों पर उतरते हैं, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली जिम्मेदारी संवाद स्थापित करना होती है। जब बातचीत की जगह टकराव ले ले, तो नुकसान सिर्फ. आंदोलनकारियों का नहीं होता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का भी होता है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर आई तस्वीरों और वीडियो ने व्यापक प्रतिक्रिया पैदा की। कई लोगों ने पुलिस कार्रवाई को अत्यधिक कठोर बताया और घायल प्रदर्शनकारियों की तस्वीरें साझा कीं, जिससे यह सवाल उठा कि क्या इसे बातचीत से संभाला जा सकता था? वहीं कुछ लोगों का मत था कि संसद क्षेत्र की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अगर निषिद्ध क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश हुई, तो पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी थी। मगर इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या बल प्रयोग अंतिम विकल्प था और क्या उसका स्तर परिस्थितियों के अनुरूप था? विपक्षी दलों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रहार बताते हुए सरकार की आलोचना की और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। कई सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षकों और पूर्व अधिकारियों ने भी कहा कि ऐसी घटनाओं की स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पुलिस की कार्रवाई स्थापित मानकों के अनुरूप थी या नहीं। किसी भी लोकतंत्र की ताकत सिर्फ. चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि आलोचना सुनने और असहमति को जगह देने की क्षमता में होती है। इस पूरे घटनाक्रम से सबसे बड़ा सबक यही निकलता है कि लोकतंत्र में संवाद की हार, किसी एक पक्ष की नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे की हार होती है–जिसकी जिम्मेदारी सरकार, प्रशासन और नागरिक–तीनों पर समान रूप से लागू होती है।

जंतर-मंतर से संसद तक निकले मार्च ने सिर्फ.एक टकराव नहीं दिखाया, बल्कि यह भी उजागर किया कि लोकतंत्र में विरोध, सुरक्षा और संवाद के बीच संतुलन कितना नाजुक है। एक तरफ छात्र संगठन कहते हैं कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण था और बल प्रयोग अनावश्यक। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन का तर्क है कि संसद क्षेत्र में सुरक्षा नियम लागू थे और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश के बाद भीड़ को काबू करना पड़ा। इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों ने जन प्रतिक्रिया को और गहरा दिया। कुछ लोगों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट बताया, तो कुछ ने कहा कि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी से समझौता नहीं हो सकता। विपक्षी दलों ने कार्रवाई पर सवाल उठाए जबकि सरकार का रुख कानून के दायरे में कार्रवाई को उचित ठहराने का रहा। ऐसे मामलों में सबसे जरूरी निष्पक्ष जांच और पारदर्शिता है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बल प्रयोग परिस्थितियों के हिसाब से था या नहीं। लोकतंत्र में असहमति कोई कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है–बशर्ते विरोध हो या सुरक्षा प्रबंधन, दोनों जवाबदेही और संवाद को केंद्र में रखें।

इंदौर के सदर बाजार थाने के बाहर संघ कार्यकर्ताओं का धरना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सदर बाजार थाना क्षेत्र के साउथ गाड़रा खेड़ी में कुछ दिन पहले हुए चाकूबाजी के मामले में घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े कार्यकर्ता सदर बाजार थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कड़ी धाराएं जोड़ने और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की धरने के दौरान घायल युवक के परिजनों और संघ कार्यकताओं ने पुलिस को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पीड़ित की हालत लगातार गंभीर बनी हुई है, ऐसे में मामले में और गंभीर धाराएं जोड़ी जानी चाहिए। थाना प्रभारी पी.एल. शर्मा ने बताया कि घायल व्यक्ति पहले शशि नर्सिंग होम में भर्ती था, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए अरविंद अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने कहा कि घटना का आरोपी पहले ही गिरफ्तार होकर जेल भेजा जा चुका है।

आत्म साक्षात्कार

आप लोगों को यह अवश्य स्मरण होगा कि आत्म-साक्षात्कार ही हमारे जीवन का चरम लक्ष्य है। हम आत्म-साक्षात्कार नहीं कर पाते, क्योंकि हमारी आत्मा का प्रकृति, मन और शरीर के साथ तादात्मय हो गया है। अज्ञानी मनुष्य अपने शरीर को ही आत्मा समझता है। उसकी अपेक्षा कुछ उन्नत मनुष्य मन को ही आत्मा समझता है, किंतु दोनों ही भूल में हैं।

अच्छा, आत्मा इन सब उपाधियों के साथ कैसे एकाकार हो जाती है? चित्त में नाना प्रकार की लहरें (वृत्तियां) उठकर आत्मा को आच्छादित कर लेती हैं और हम इन लहरों में से आत्मा का कुछ प्रतिबिंब मात्र देख पाते हैं। यही कारण है, जब क्रोध-वृत्ति रूपी लहर उठती है, तो हम आत्मा को क्रोधयुक्त देखते हैं। कहते हैं, हम क्रुद्ध हैं। जब चित्त में प्रेम की लहर उठती है, तो उस लहर में अपने को प्रतिबिंबित देखकर हम सोचते हैं, हम प्यार कर रहे हैं।

ये सब पूर्व संस्कार जब आत्मा के स्वरूप को आच्छादित कर लेते हैं, तभी ऐसे भाव उदित होते हैं। चित्त रूपी सरोवर में जब तक एक भी लहर रहेगी, तब तक आत्मा का यथार्थ स्वरूप दिखाई नहीं देगा। जब तक समस्त लहरें बिल्कुल शांत नहीं हो जातीं, तब तक आत्मा का यथार्थ स्वरूप प्रकाशित नहीं होगा। इसीलिए पतंजलि ने यह समझाया है कि ये तरंगरूप वृत्तियां क्या हैं और बाद में उनको दमन करने का सर्वश्रेष्ठ उपाय सिखलाया है। तीसरी बात यह सिखलाई है कि जैसे एक बृहत अग्नि-राशि छोटे-छोटे अग्निकणों को निगल लेती है, उसी प्रकार एक लहर को इतनी प्रबल बनाना होगा, जिससे अन्य सभी लहरें बिल्कुल लुप्त हो जाएं। जब केवल एक लहर बच रहेगी, तब उसका भी निरोध करना सहज हो जाएगा।

सम्पादकीय

समाधान की आशा

केंद्र सरकार और सीजेपी अर्थात कॉकरोच जनता पार्टी के बीच दूसरे दौर की बातचीत समग्रता में सकारात्मक रही है। जैसी कि उम्मीद थी, सरकार ने सीजेपी की दो मांगों को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है। नीट परीक्षा के चलते आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन को मुआवजा देने और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करने पर सहमति सराहनीय है। अब बात केवल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अटकी हुई है। सरकार अभी इसके लिए तैयार नहीं है, पर कोई ठोस फैसला शनिवार को सामने आ सकता है। सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरभ दास ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से मुलाकात में यह भी संकेत दिया है कि सरकार को जल्दी फैसला लेना चाहिए, क्योंकि यह आंदोलन बढ़ रहा है। वाकई, इस आंदोलन से प्रेरित प्रदर्शन देश के अनेक शहरों में होने लगे हैं। राष्ट्रीय राजधानी के एक बड़े क्षेत्र में यातायात और इंटरनेट सेवा को आंशिक रूप से बाधित करना पड़ रहा है। एक बड़े क्षेत्र में कामकाज और जनजीवन पर असर पड़ रहा है। इस आंदोलन का सही रूप में पटाक्षेप सरकार को करना ही चाहिए। ध्यान रहे कि पुलिसिया ज्यादती की सुनवाई अदालत तक पहुंच गई है।

कोई संदेह नहीं कि बीते दिनों में पेपर लीक के प्रति जैसी कड़ाई देखने में आई है, वह अभूतपूर्व है। जहां परीक्षा में अनेक प्रक्रियागत सुधार हो रहे हैं, वहीं पेपर लीक संबंधी कानून को और कड़ा बनाने का फैसला केंद्रीय कैबिनेट ने लिया है। जो भी अच्छे सुझाव हैं, उन्हें लागू करने की इच्छा सरकार में दिख रही है। सरकार के यथोचित प्रयासों से 26 दिन बाद सोनम वांगचुक का अनशन टूटा है। स्वयं सोनम ही कहते रहे हैं कि देश के लिए जान देने से ज्यादा जरूरी है, देश को जिंदगी देना। गौरतलब है, सोनम की मांगों में मंत्री के इस्तीफे की बात पुरजोर ढंग से नहीं थी और इसकी आलोचना भी हो रही है। वैसे, यह तथ्य हर कोई जानता है कि केवल एक मंत्री के इस्तीफे से हालात नहीं बदलेंगे, पूरे परीक्षा तंत्र को बदलने की जरूरत है। परीक्षा तंत्र की कमियां निशाने पर रहनी चाहिए। हालांकि, यह नई बात नहीं है कि राजनीति संदेशों में जीती है। संदेश कई बार सुधारों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगते हैं। कई बार ऐसा भी हुआ है कि सरकारों ने देश को संदेश तो पूरा दिया, पर ठोस सुधार की प्रक्रिया को वे आगे नहीं बढ़ा पाईं।

दैनिक अवन्तिका के पितृपुरुष की जयंती पर विशेष

स्व. श्री गोवर्धनलाल मेहता 'दा साब': अविस्मरणीय व्यक्तित्व एवं कृतित्व

मालवा की शस्य-श्यामला धरती ने अनेक ऐसी विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने कर्म, चिंतन, संघर्ष और लोकसेवा से समाज को नई दिशा प्रदान की। इन्हीं यशस्वी विभूतियों में एक तेजस्वी, कर्मयोगी और मूल्यनिष्ठ व्यक्तित्व थे– स्व. श्री गोवर्धनलाल जी मेहता 'दा साब'। वे केवल दैनिक अवन्तिका के संपादक ही नहीं थे, बल्कि मालवा की जनचेतना के सजग प्रहरी, सामाजिक सरोकारों के संवाहक और जनपक्षधर पत्रकारिता के संवाहक भी थे। उनकी जयंती केवल एक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण नहीं, बल्कि उस मूल्यपरक पत्रकारिता को नमन करने का भी अवसर है, जिसने समाचार को समाज की आवाज, जनसमस्याओं का दर्पण और पत्रकारिता को लोकसेवा का सशक्त माध्यम बनाया। 'दा साब' का जीवन इस बात का जीवंत प्रमाण है कि जब पत्रकारिता सत्य, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ती है, तब वह केवल समाचार नहीं देती, बल्कि समाज की दिशा भी निर्धारित करती है।

आचार्य शैलेन्द्र पाराशर
(दैनिक अवन्तिका)

श्री गोवर्धनलाल मेहता का जन्म शाजापुर जिले के रंथभँवर ग्राम में एक संस्कारवान ब्राह्मण परिवार में हुआ। बचपन से ही उनके भीतर आत्मनिर्भर बनने, समाज के लिए कुछ सार्थक करने और जीवन को कर्म की कसौटी पर सिद्ध करने की अद्भुत आकांक्षा थी। यही आंतरिक प्रेरणा उन्हें मात्र अठारह वर्ष की आयु में श्री महाकाल की नगरी उज्जैन ले आई। यह आगमन केवल स्थान परिवर्तन नहीं था, यहीं से एक ऐसे जीवन-संघर्ष का प्रारंभ हुआ, जिसने आगे चलकर मालवा की पत्रकारिता के इतिहास को एक नई दिशा प्रदान की। उज्जैन में उनका प्रारंभिक जीवन अभावों, संघर्षों और चुनौतियों से भरा था। आर्थिक संसाधनों का अभाव था, किंतु आत्मविश्वास असीम था। उन्होंने कभी परिस्थितियों को दोष नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने व्यक्तित्व को गढ़ने का अवसर बनाया। यही अनुभव आगे चलकर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सबसे बड़ी शक्ति बने। परंपरागत संस्कार, व्यावहारिक अनुभव और आत्मप्रज्ञा का अद्भुत समन्वय उनके व्यक्तित्व में परिलक्षित होता था। लोकजीवन, श्रम, संघर्ष, समाज और मानवीय संवेदनाओं ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरित किया। वे मानते थे कि मनुष्य की वास्तविक परीक्षा विपरीत परिस्थितियों में ही होती है। इसलिए उन्होंने कठिनाइयों से कभी पलायन नहीं किया, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित किए। स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक चेतना से उनका गहरा जुड़ाव रहा। वे भारतीय मजदूर संघ, जनसंघ तथा अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़े रहे। श्रमिकों, गरीबों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उन्होंने अनेक आंदोलनों में भाग लिया। उनके लिए समाजसेवा केवल भाषणों और नारों का विषय नहीं

थी, बल्कि जीवन का व्यवहार और कर्म का संकल्प थी।

मालवी भाषा, मालवा की संस्कृति और भारतीय जीवन-मूल्यों के प्रति उनकी गहरी आस्था थी। सादगी, सहजता, आत्मीयता और उच्च विचार उनके व्यक्तित्व की स्वाभाविक पहचान थे। कुछ व्यक्तित्व केवल अपना जीवन नहीं जीते, वे अपने समय का इतिहास रचते हैं। उनका संघर्ष एक संस्था का रूप ले लेता है और उनके जीवन-मूल्य आने वाली पीढ़ियों के पथ को आलोकित करते रहते हैं। उनके जीवन-संघर्ष और सामाजिक सरोकारों ने उनके भीतर यह विश्वास दृढ़ किया कि समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम जनसंचार हो सकता है। 14 जनवरी 1968 जब दैनिक अवन्तिका का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ। यह केवल एक समाचार-पत्र का जन्म नहीं था, बल्कि मालवा की जनभावनाओं को स्वर देने वाले एक नए युग का शुभारंभ था। 'दा साब' ने पत्रकारिता को कभी मात्र व्यवसाय नहीं माना, उनके लिए यह समाज के प्रति एक उत्तरदायित्व ,सजगता और लोकसेवा का माध्यम थी।

दैनिक अवन्तिका की सफलता किसी संयोग का परिणाम नहीं थी। यह 'दा साब' के अथक श्रम, दूरदृष्टि, संगठन-कौशल, प्रतिबद्धता और जनविश्वास की अर्जित पूँजी थी। समाचार-पत्र के प्रत्येक चरण में उन्होंने स्वयं को पूरी निष्ठा से समर्पित किया। समाचारों के चयन से लेकर मुद्रण, वितरण और पाठकों से संवाद तक वे प्रत्येक कार्य में समान रुचि लेते थे। वे सदैव इस बात पर बल देते थे कि समाचार-पत्र की सबसे बड़ी पूँजी उसकी विश्वसनीयता होती है। यही कारण था कि दैनिक अवन्तिका ने शीघ्र ही मालवा ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर ली। समय के साथ उन्होंने आधुनिक तकनीक को भी खुले मन से अपनाया। टेलीप्रिंटर की स्थापना, ऑफसेट मुद्रण व्यवस्था तथा समाचार-संकलन की आधुनिक प्रणालियों को अपनाकर उन्होंने दैनिक अवन्तिका को निरंतर प्रगतिशील बनाए रखा। संसाधनों की कमी कभी उनकी गति और संकल्प के मार्ग में बाधक नहीं बनी। उनका विश्वास था कि संसाधनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकल्प, श्रम और कर्म के प्रति निष्ठा होती है। 'दा साब' की पत्रकारिता का मूल स्वर समाज के वंचित, पीड़ित और उपेक्षित वर्गों की आवाज बनना था। वे निर्भीक थे, परंतु निराधार नहीं, स्पष्टवादी थे, परंतु कटु नहीं, निष्पक्ष थे, परंतु संवेदनहीन नहीं। इसी संतुलन ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं पत्रकारिता को विशिष्ट बनाया था। उनका संपादकीय दृष्टिकोण, भारतीय सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय अस्मिता और मानवीय मूल्यों पर आधारित था। उन्होंने सदैव जनसेवा, समाजहित एवं मानवीय मूल्यों को सर्वोच्च माना। उनकी मान्यता थी कि समाचार-पत्र केवल घटनाओं का विवरण प्रस्तुत करने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि वह समाज के नैतिक विवेक का निर्माण भी करता है। उनका मानना था कि अनुभव, आत्मचिंतन एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही सफलता का आधार है।

'दा साब' की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी नई प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने की अद्भुत क्षमता। उन्होंने अनेक युवा पत्रकारों, लेखकों, कवियों और व्यंग्यकारों को अपनी प्रतिभा अभिव्यक्त करने का अवसर दिया। वे रचनाओं को केवल प्रकाशित ही नहीं करते थे, बल्कि रचनाकारों का उत्साहवर्धन भी करते थे। उनके स्नेहिल मार्गदर्शन में अनेक लेखक और पत्रकार अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल हुए। मुझे भी उनके आत्मीय स्नेह और प्रेरणादायी मार्गदर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दैनिक अवन्तिका में मेरी कविताएं, व्यंग्य और विविध विषयों पर लिखे गए आलेख प्रकाशित होते रहे । यदि कोई समाचार-पत्र अपने मूल्यों पर अडिग रहे, क्योंकि वह केवल समाचारों का प्रकाशन नहीं करता, बल्कि समाज के भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्व. श्री गोवर्धनलाल मेहता 'दा साब' का संपूर्ण जीवन यह संदेश देता है कि कठिनाइयाँ संकल्पित व्यक्तित्वों का मार्ग नहीं रोक सकतीं। संघर्ष यदि सेवा से जुड़ जाए, श्रम यदि संकल्प से जुड़ जाए और पत्रकारिता यदि जनहित से जुड़ जाए, तो इतिहास स्वयं उसका सम्मान करता है। उन्होंने अपने पुरुषार्थ से सिद्ध किया कि एक व्यक्ति भी दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदारी और लोकमंगल की भावना के साथ कार्य करे, तो वह एक संस्था, एक परंपरा और एक युग का निर्माण कर सकता है।

आज उनकी 111वीं जयंती पर हम उन्हें केवल श्रद्धासुमन अर्पित नहीं करते, बल्कि उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त करते हैं। स्व. श्री गोवर्धनलाल मेहता 'दा साब' केवल दैनिक अवन्तिका के केवल संपादक ही नहीं, बल्कि एक विचार, एक मूल्य, एक परंपरा और एक युग प्रवर्तक थे। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उनकी पावन जयंती पर उन्हें शत-शत सादर नमन।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 26 जुलाई 2026 रविवार
सूर्योदय - 05:59 सूर्यास्त 19:08
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - द्वादशी 13:58 उपरांत त्रयोदशी
नक्षत्र - ज्येष्ठा 07:35 उपरांत मूल
योग - ऐन्द्र 22:05 उपरांत वैधृति
करण - बालव
चन्द्रमा - वृश्चिक में है। 07:35 पर धनु में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 11 तारिख

मेष- आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

वृषभ- स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा।

मिथुन- किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा।

सिंह- नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

कन्या- तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

तुला- किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी।

धनु- स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा।

मकर- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभ- अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है।

मीन- समय का लाभ लें। मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा।

समसामयिक

छात्र आंदोलन: मुद्दों से भटकती बहस और भविष्य की चिंता

लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन केवल अधिकार नहीं, बल्कि जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। जब व्यवस्था में कोई गंभीर खामी सामने आती है, तब जनता अपनी आवाज बुलंद करती है और सरकार से जवाब मांगती है। विशेष रूप से जब मामला लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हो, तब विरोध का स्वर और अधिक स्वाभाविक हो जाता है। ठएएळ जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की खबरों ने पूरे देश के युवाओं और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद यदि किसी परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो आक्रोश पैदा होना असामान्य नहीं है। किंतु इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा प्रश्न भी खड़ा किया कि क्या छात्र आंदोलनों का उद्देश्य वास्तव में छात्रों का भविष्य रह गया है, या फिर वे धीरे-धीरे राजनीतिक और वैचारिक संघर्षों का मंच बनते जा रहे हैं?

डॉ सत्यवान सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

किसी भी छात्र आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी नैतिकता होती है। जब छात्र अपने अधिकारों और भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं, तब समाज उनके साथ खड़ा होता है। अभिभावक, शिक्षक और आम नागरिक भी उनकी मांगों को उचित मानते हैं। लेकिन जैसे ही आंदोलन का केंद्र बदलने लगता है और मूल मुद्दे से असंबंधित विषय मंच पर आने लगते हैं, तब उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यदि परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध का मंच ऐसे नारों, भाषणों या विवादों का केंद्र बन जाए जिनका शिक्षा व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, तो आंदोलन की गंभीरता कम होती है और वास्तविक मुद्दा पीछे छूट जाता है। आज देश का युवा पेपर लीक से परेशान है। उसे इस बात की चिंता है कि वर्षों की मेहनत कहीं किसी अपराधी गिरोह की वजह से व्यर्थ न चली जाए। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह होना चाहिए कि पेपर लीक कैसे रुकेंगे, परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित कैसे बनाया जाएगा, दोषियों को कितनी जल्दी और कितनी कठोर सजा मिलेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कौन-से संस्थागत सुधार किए जाएंगे। यदि इन मूल प्रश्नों के स्थान पर केवल राजनीतिक नारे और सरकार विरोध या सरकार समर्थन की बहस प्रमुख हो जाए, तो समाधान की दिशा कमजोर पड़ जाती है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है। अलग-अलग राज्यों में, अलग-अलग सरकारों के समय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या किसी एक दल, एक मंत्री या एक सरकार तक सीमित नहीं है। समस्या उस तंत्र में है जिसमें अपराधी गिरोह सेंध लगाने में सफल हो जाते हैं। इसलिए यदि हर बार केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक ही चर्चा सीमित रहेगी, तो वास्तविक अपराधी बच निकलेंगे और विद्यार्थी बार-बार पीड़ित होंगे।

किसी मंत्री का इस्तीफा लोकतांत्रिक जवाबदेही का विषय हो सकता है, लेकिन यह अपने आप में अंतिम समाधान नहीं है। मंत्री बदलने से व्यवस्था तभी बदलेगी जब प्रशासनिक सुधार, तकनीकी सुरक्षा, पारदर्शी जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू होगी। यदि जड़ पर प्रहार नहीं होगा तो केवल चेहरे बदलने से परिणाम नहीं बदलेंगे। इसलिए छात्र आंदोलनों का केंद्र व्यक्ति नहीं, व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। सोशल मीडिया के दौर में आंदोलनों की दिशा बहुत तेजी से बदलती है। कुछ सेकंड की वीडियो क्लिप, एक नारा या एक पोस्ट पूरे आंदोलन की छवि तय कर देती है। यही कारण है कि आंदोलन से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है।

जनपक्षधर पत्रकारिता के अमर हस्ताक्षर स्व.गोवर्धन लाल मेहता दा साहब

मालवा की पत्रकारिता के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जिन्होंने समाचार पत्र को केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। स्वर्गीय गोवर्धन लाल मेहता दा साहब ऐसा ही एक व्यक्तित्व थे। उनकी 111वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना केवल एक पत्रकार को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उस विचारधारा को नमन करना है, जिसने पत्रकारिता को जनसेवा, सामाजिक न्याय और श्रमिक हितों का माध्यम बनाया।

डॉ जफर महमूद
(दैनिक अवन्तिका)

स्व. गोवर्धन लाल मेहता दा साहब प्रख्यात दैनिक अवन्तिका के संस्थापक थे। उन्होंने उस दौर में समाचार पत्र की शुरूआत की, जब समाज के श्रमिक, मजदूर, किसान और सामान्य नागरिकों की आवाज को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता था। उन्होंने यह महसूस किया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति की पीड़ा भी समाचारों का विषय बने। इसी सोच के साथ दैनिक अवन्तिका की स्थापना हुई। अवन्तिका केवल समाचार पत्र नहीं, एक जनआंदोलन था। इसकी पहचान निर्भीक, निष्पक्ष और जनपक्षधर पत्रकारिता के रूप में बनी। इसमें सत्ता की प्रशंसा से अधिक समाज की समस्याओं को महत्व दिया गया। मजदूरों के अधिकार, सामाजिक असमानता, जनकल्याण और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर दा साहब ने पत्रकारिता को समाज की चेतना से जोड़ा।

स्व. गोवर्धन लाल मेहता दा साहब का जीवन सादगी, संघर्ष और सेवा का पर्याय था। वे मानते थे कि पत्रकार की लेखनी केवल घटनाओं का विवरण देने के लिए नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाने के लिए होती है। यही कारण था कि उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय श्रमिकों, वंचितों और आमजन के हितों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनकी पत्रकारिता में सत्य के प्रति प्रतिबद्धता और जनहित सर्वोपरि था।

आज मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। तकनीक ने पत्रकारिता को नई गति दी है, लेकिन इसके साथ मूल्यों की परीक्षा भी बढ़ी है। ऐसे समय में स्व. गोवर्धन लाल मेहता दा साहब का जीवन और दैनिक अवन्तिका की परंपरा हमें याद दिलाती है कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसकी विश्वसनीयता, निष्पक्षता और जनसरोकारों में निहित होती है।

उनकी 111वीं जयंती पर हम उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह संकल्प लें कि सत्य, निष्पक्षता और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को सदैव जीवित रखेंगे। यही स्व. गोवर्धन लाल मेहता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही दैनिक अवन्तिका की गौरवशाली विरासत का सम्मान भी।

स्व. गोवर्धन लाल मेहता दा साहब का व्यक्तित्व समय की सीमाओं से परे है। उनके द्वारा स्थापित आदर्श और पत्रकारिता के मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। मालवा की पत्रकारिता और सामाजिक चेतना के इतिहास में उनका योगदान सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

निरंतर समाज की आवाज बना हुआ है, दैनिक अवंतिका। बेबाक और निडर पत्रकारिता कि इस परंपरा को स्वर्गीय गोवर्धन लाल मेहता दा साहब के बाद सुमन मेहता ने निभाया। पौराणिक नगरी उज्जैन को आध्यात्मिक नगरी के रूप में रूपांतरित करने में सुरेन्द्र मेहता एवं संदीप मेहता के संपादन में दैनिक अवंतिका ने निरंतर भूमिका निभाई है। शासन प्रशासन की परवाह किए बगैर दैनिक अवंतिका की पत्रकारिता राष्ट्र, देश और समाज हित में आवाज बुलंद कर रही है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6300 से 6350 विशाल 6050 से 6150 मसूर 6000 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9500 से 9900 उड़द गर्मी 8800 से 9500 ग्रेविटी क्लीन 10000 से 10200 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7200 से 8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200 से 5300 सरसों निमाड़ी 7800 से 8100 रायडा 7000 से 7100 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7200 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7700 से तुअर दाल 7400 से 7600 मूंग दाल 8800 से 8900 बेस्ट 9000 से 9100 मूंग मोगर 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द दाल 10800 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 12000 से 12300 बेस्ट 12400 से 12700 मसूर दाल 7950 से 8050 बेस्ट 8150 से 8250 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,41,700 रवा- 1,41,400 चांदी- टंच- 2,23,000 पाट- 2,22,500।

श्रद्धेय दा साब की 111वी जयंती पर विशेष

दा साब की निर्भीक लेखनी जनहित में निरंतर चलायमान रही

एक सरल ,दूरदृष्टा , निर्भीक व तटस्थ व्यक्तित्व के रूप मे दैनिक अवंतिका के संस्थापक दासाब स्व. गोवर्धनलालजी मेहता की महाकाल की नगरी और आंचलिक क्षेत्रों मे विशिष्ट छवि बनी रही। उनके कार्यकाल मे अखबार जगत मे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। एक दूसरे के प्रति परस्पर समभाव अखबार मालिको व संपादको मे सदैव बना रहता था। एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के बाद दैनिक अवंतिका दशकों तक लगभग द्वितीय/ तृतीय स्थान पर बना रहा। नब्बे के दशक मे लगभग पांच- छ : वर्ष उज्जैन मे रहने का अवसर प्राप्त हुआ और तब से यह विशेष लगाव आज तक जारी है।

निर्लेश तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

दैनिक अवंतिका से गहरा जुड़ाव तभी से प्रतीत होता है। फ्रीगंज क्षेत्र मे निवास होने से वहाँ के उस दौर के एसटीडी/ पीसीओ , टाइपिंग_ फोटो कॉपी सेंटर, होटल्स, टॉवर की चाट, चौपाटी चाय_पान की दुकान शहीद पार्क के टेलर्स और इसके आगे डॉक्टर के चैंबर्स, केमिस्ट, मुसद्दीपुरा का पुराना दवा बाजार , छत्रीचौक की मयूर लॉज एवम पवित्र भोजनालय से लेकर फ्रीगंज के होटल श्रीमाया व राजकुमार, लक्ष्मीनारायण, ओम कैफे, लक्ष्मीविलास रेस्टरेंट आदि लगभग सभी जगह एक बात एकसार होती थी की सभी स्थानों पर दैनिक अवंतिका का सुबह सवेरे मेज पर होना।

उस दौर मे केंद्र व प्रदेश मे कांग्रेस की सत्ता थी। प्रदेश हित मे सरकार के खिलाफ दादा की निर्भीक कलम चलायमान रही। भले ही विज्ञापन और आर्थिक नुकसान हुआ होगा पर प्रतिष्ठा बन गयी। व्यक्तिगत संबंध सबसे मधुर रहे फिर वह अधिकारी वर्ग हो या किसी भी दल के राजनेता_ जनप्रतिनिधि। उस वक्त शायद अवंतिका अखबार की कीमत मात्र एक_डेढ़ रुपये रही होगी ,जबकि प्रतिस्पर्धी अखबार का मूल्य दोगुना था। सिंहस्थ मे प्रचार प्रसार बढ़कर ग्रामीण_आंचलिक व इंदौर महानगर मे फैलाव हुआ । पितृपुरुष गोवर्धनलाल जी दासाब की कड़ी मेहनत और दूरदृष्टि से यह आज प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्रों मे शुमार है। अवंतिका परिवार की अगली पीढी के प्रतिनिधि के रूप मे कालांतर मे परम श्रद्धेय सुरेंद्र मेहता जी ने अखबार को नई दिशा दी ।

वर्तमान दौर मे आदरणीय संदीप मेहताजी ने भी दासाहब के पदचिन्हों पर चलते हुए नये मुकाम हासिल किये। वो जमीनी स्तर पर काम करते है और मैंने स्वयं उन्हे मैदान मे एक जुझारू व्यक्ति के रूप मे देखा है।उज्जैन से इंदौर, भोपाल दिल्ली के प्रवास के दौरान वे हमेशा उजार्वान बने रहते है। टीम के कप्तान के बतौर वे सभी के लिए एक आदर्श उदहारण बन बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी विशिष्ट व मनमोहक शैली मे प्रेरित करते है। ₹डाउन टू अर्थ₹ और परिपक्व पत्रकार जैसी संज्ञा को वे सार्थक करते रहे है। प्रयोगधर्मी संपादक के रूप मे वे बेहद सफल रहे है उसी कड़ी मे तीसरी पीढी के चिरंजीवी सप्त मेहता को अवसर देकर दैनिक ब्रह्मास्त्र को स्थापित करना एक अप्रतिम सफलता रही।

मालवा क्षेत्र मे प्रचार- प्रसार मे अभिवृद्धि के लिए संदीपजी देर रात सेअलसुबह तक हॉकर्स के मध्य रहे तब उनकी सादगी और विनम्रता को आत्मसात करने की मेरी इच्छा भी बलवती हुई। महंगाई और व्यवसायीकरण के इस दौर मे भी अखबार की कीमत मात्र तीन रुपये इसकी यूएसपी है। विज्ञापन पर निर्भर न रहते हुए मूल कंटेंट सच्ची व निष्पक्ष खबरो के आधार पर यह आज भी अग्रणी है।

इन सबसे ऊपर महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है की अखबार से जुड़े चतुर्थ श्रेणि वर्ग व वितरण एजेंसीयो से लेकर संपादकीय ,विज्ञापन ,विपणन ,सरक्युलेशन विभाग और वस्तुतः प्रत्येक कर्मचारी के प्रति परिवार के सदस्य जैसा व्यवहार प्रबंधन को उच्चतम दर्जा प्रदान करता है। प्रबंधन के सतत प्रोत्साहन से मेरे आलेख संपादकीय पृष्ठ निरंतर प्रकाशित होते रहे है जिसके लिए मे हमेशा कृतज्ञ रहूँगा।

रक्तांजलि जैसे सारगर्भित एवम सारोकार के मंचों के माध्यम से दासाब के विचारों को जीवंत रखने के अभिनव प्रयास के लिए दैनिक अवंतिका समूह व मेहता परिवार को साधुवाद।

महाकाल की नगरी से प्रकाशित अखबार प्रदेश देश व वैश्विक पटल पर अपनी विशेष पहचान स्थापित करे यही शुभेच्छा ।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

शासकीय ऋण की प्रगति की समीक्षा की

शुजालपुर। अग्रणी जिला प्रबंधक शाजापुर शैलेन्द्र सुमन की अध्यक्षता में शुक्रवार को जनपद पंचायत शुजालपुर के सभागृह में शुजालपुर ब्लॉक के लिए जून 2026 तिमाही के लिए खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सम्बंधित विभागों के अधिकारी एवं बैंको के शाखा प्रबंधक उपस्थित हुए। अग्रणी जिला प्रबंधक शाजापुर द्वारा वार्षिक साख योजना 2026-27 एवं शासकीय ऋ ण योजनान्तर्गत प्रगति की समीक्षा की गई एवं लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर लक्ष्यो को पूर्ण करने एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समय सीमा में निराकरण के लिए निर्देशित किया गया।

वृद्धजनों के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनेंगे

शुजालपुर। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शाजापुर जिले की सभी जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों में 25 एवं 26 जुलाई 2026 को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर शाजापुर ऋ जु बाफ ना द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद पंचायत शाजापुर, मोमन बड़ोदिया, कालापीपल एवं शुजालपुर में 25 जुलाई शनिवार एवं 26 जुलाई रविवार को ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन उपलब्ध सर्वसुविधा युक्त स्थानो पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

औषधीय पौधे लगाकर संरक्षण का लिया संकल्प

शुजालपुर। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार शुक्रवार को शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदखेड़ा में एक गुरु एक वृक्ष अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इको क्लब प्रभारी एवं स्काउट मास्टर विक्रम सिंह कुशवाहा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में जामुन, नीम, मीठा नीम एवं बेलपत्र जैसे औषधीय और पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि प्रत्येक पौधे को एक-एक कक्षा शिक्षक के नाम समर्पित किया गया।

पीपलोंन कला में हाजियों का सम्मान

आगर मालवा। मक्का-मदीना से 35, 45 और 47 दिन की हज यात्रा पूरी कर लौटे आगर, पीपलोंन कला और आसपास के क्षेत्रों के हाजियों का शुक्रवार को पीपलोंन कला में स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने हज यात्रा से लौटे सभी हाजियों को मुबारकबाद देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद सफर की खुशी साझा की। इसी क्रम में पीपलोंन कला में बब्लू मुल्तानी एवं शमसुद्दीन के संयोजन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता गुड्डू लाला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रईस शेख, सरपंच रामचन्द्र राठौर, जनपद सदस्य जान मोहम्मद पटेल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री शाहरुख अहमद, रियाज खान सिरपोई, डग के पूर्व सदर अमान खान सहित बड़ी संख्या में हाजी एवं समाजजन मौजूद रहे।

क्रेशर पर काम कर रहे श्रमिक की संदिग्ध मौत

शुजालपुर। शुजालपुर सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम उगली स्थित एक क्रेशर मशीन पर कार्यरत श्रमिक की शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद साथी श्रमिक उसे तत्काल उपचार के लिए शुजालपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दीपक पाटीदार निवासी पाड़लिया के रूप में हुई है। वह पिछले कई वर्षों से अपनी मां के साथ मामा के गांव उगली में रह रहा था। करीब दो सप्ताह पहले ही उसने क्रेशर मशीन पर पत्थर तोड़ने वाली हेमर मशीन संचालित करने का कार्य शुरू किया था। परिजनों ने आशंका जताई है कि दीपक की मौत करंट लगने से हुई है। हालांकि घटना के समय उसके साथ तीन अन्य कर्मचारी भी काम कर रहे थे। ऐसे में यदि करंट फैलता तो उनके भी इसकी चपेट में आने की संभावना रहती। इससे मौत के कारण को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

क्या पूरे शाजापुर को मरवाओगे?

अवैध कॉलोनियों और लटकते तारों को देख भड़के विधायक, अफसरों की लगाई क्लास

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

एसी कमरों में बैठकर फाइलों पर धूल जमने देने वाले अफसरों को जब सीधे सड़क पर जनता के सवालों का सामना करना पड़ता है, तो क्या होता है ? इसका जीता-जागता नजारा शुक्रवार को शाजापुर में देखने को मिला। मौका था द्वारकापुरी कॉलोनी का, जहां सिर पर मौत बनकर झूलते बिजली के तारों और अवैध कॉलोनियों के मकड़जाल को देखकर शाजापुर के भाजपा विधायक अरुण भीमावद का सब्र जवाब दे गया।

भरे मजमे में उन्होंने प्रशासनिक अमले की ऐसी बखिया उधेड़ी कि नगर पालिका, विद्युत मंडल और राजस्व विभाग के आला अफसरों के चेहरे की हवाइयां उड़ गईं। दोपहर करीब एक बजे रहवासियों की शिकायत मिलने पर विधायक सीधे वार्ड क्रमांक 25 के ग्राउंड जीरो पर पहुंच गए।यहां सड़क किनारे एक ही जगह पर गुच्छों में लटकते दर्जनों मीटर और उलझे केबल्स का जंजाल किसी बड़े हादसे को खुला न्योता दे रहा था। स्थानीय लोगों ने विधायक के सामने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि कई सालों से यहां सिर्फ अस्थायी कनेक्शन के भरोसे जिंदगी कट रही है। पिछली तेज आंधी में ये तार टूटकर जमीन पर आ गिरे थे, लेकिन बार-बार की गुहार के बाद भी जिम्मेदार विभागों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। मौके की बदहाली और जनता की परेशानी देखकर विधायक गुस्सा हो गए। उन्हे मौजूद नगर पालिका के सीएमओ भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने जब कॉलोनाइजरों से चर्चा करने का गोलमोल जवाब देकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की, तो विधायक ने उन्हें जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पिछले दस सालों में तुम्हारे इलाके में अवैध कॉलोनियां कट गईं, तुमने आज तक कितनों को नोटिस दिया? किसी को बुलाया तक नहीं और अब मेरे सामने फालतू बातें कर रहे हो।

उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि अगले एक साल के भीतर हम सबको मिलकर यह काम हर हाल में निपटाना है। उन्होंने साफ कर दिया कि अगले साल जब वे इसी तारीख को यहां वापस आएं, तो यह सारा काम मुकम्मल मिलना चाहिए। विधायक के इस तीखे तेवर ने जहां जनता को बड़ी राहत दी है, वहीं कामचोर सिस्टम की नींद उड़ा दी है।

कलेक्टर मैडम को यहां घुमा दो- भीमावद

विधायक ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या पूरे शाजापुर की जनता को मरवाने का इरादा है? उन्होंने दो टूक निर्देश दिए कि यह सारा अवैध काम तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम से कहा कि मैडम, आप भी थोड़ा ध्यान दीजिए, और कलेक्टर मैडम को यहां घुमा दो तो सबको सूज पड़ जाएगी। सड़क पर लगी अफसरों की इस ताबड़तोड़ क्लास के बाद, विधायक अरुण भीमावद ने हवा-हवाई वादों की जगह एक सख्त डेडलाइन भी तय कर दी।

ईदगाह और जिला अस्पताल के सामने से अतिक्रमण पर चला बुलडोजर हटाया अवैध निर्माण

देवास। नगर निगम ने शुक्रवार को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीम ने ईदगाह (एबी रोड) क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान सरकारी जमीन और सड़क पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। जेसीबी की मदद से एक दर्जन से अधिक टीन शेड और एक अवैध निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास किया। हालांकि, नगर निगम और पुलिस की मौजूदगी में अभियान बिना रुके जारी रहा। जेसीबी से पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके बाद निगम की टीम जिला अस्पताल के सामने पहुंची। यहां सड़क किनारे वर्षों से रखी लगभग 20 से 25 गुमटियां और अस्थायी दुकानें हटाई गईं। जेसीबी की मदद से सभी गुमटियों को हटाकर सड़क खाली कराई गई। यहां भी हल्का विरोध हुआ, लेकिन पुलिस ने स्थिति संभाल ली और कार्रवाई पूरी कराई। यह संयुक्त अभियान करीब ढाई घंटे तक चला। इसमें नगर निगम, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात और आम लोगों की सुविधा में बाधा बनने वाले अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह कार्रवाई की जाएगी।

सत्य का साथ देने वाला ही बनता है सत्यनारायण- पं. मनावत ने

शुजालपुर। जीवनलाल हजारीलाल अग्रवाल परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्री शिवपुराण कथा के दूसरे दिन कथावाचक पंडित श्याम मानवत ने सत्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जीवन में असफ लता स्वीकार करना बेहतर है, लेकिन कभी असत्य का सहारा नहीं लेना चाहिए। सत्य ही सनातन है और सत्य ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग है। कथावाचक ने बताया कि सृष्टि के आरंभ में जब भगवान शिव अनंत ज्योतिर्लिंग (प्रकाश स्तंभ) के रूप में प्रकट हुए, तब उसके आदि और अंत का पता लगाने के लिए भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु निकले। ब्रह्मा ऊपर की ओर गए, जबकि विष्णु नीचे की ओर। लंबे प्रयास के बाद भी दोनों को प्रकाश स्तंभ का छोर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने लौटकर विनम्रता के साथ अपनी असफ लता स्वीकार कर ली, जबकि ब्रह्मा ने केतकी के फू ल को झूठा साक्षी बनाकर दावा किया कि वे प्रकाश स्तंभ के शिखर तक पहुंच गए हैं। भगवान शिव ने असत्य पर क्रोधित होकर ब्रह्मा का एक मस्तक काट दिया। वहीं भगवान विष्णु की सत्यनिष्ठा से प्रसन्न होकर उन्हें सत्यनारायण की उपाधि प्रदान की। पं. मानवत ने कहा कि यही सत्यनारायण कथा का मूल संदेश है।

उत्कृष्ट विद्यालय में पौधों का रोपण कर विधायक ने जानी छात्रों से समस्याएँ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर के उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 में इस बार गुरु पूर्णिमा का पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आधुनिक शिक्षा की ओर बढ़ते मजबूत कदम के रूप में मनाया गया।

विद्यालय में आयोजित समारोह सिर्फ गुरु वंदना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के संकल्प और स्कूल को हाईटेक बनाने की दिशा में एक यादगार दिन बन गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक गुरु, एक पेड़ के नाम नामक एक अनूठे पर्यावरण अभियान से हुई। गुरुओं के सम्मान को प्रकृति से जोड़ते हुए इस पहल के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राओं और पूरे स्टाफ ने पूरे उत्साह के साथ परिसर में 101 पौधे रोपे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने जब छात्रों से संवाद किया, तो विद्यार्थियों ने भी पूरी बेबाकी से अपने स्कूल की बुनियादी जरूरतें और समस्याएं उनके सामने रख दीं। छात्रा दिव्या सोनी ने पुराने भवनों की जर्जर स्थिति और वहां से पानी टपकने की समस्या की ओर विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया, ताकि जल्द मरम्मत हो सके। वहीं, छात्र मोहम्मद अली अलाउद्दीन ने खेल गतिविधियों को बेहतर बनाने और सुरक्षा के लिहाज से मैदान की बाउंड्रीवॉल निर्माण की पुरजोर मांग उठाई। इसी क्रम में छात्र लोकेश चौहान ने आधुनिक समय की जरूरत का हवाला देते हुए सभी कक्षाओं में डिजिटल पढ़ाई के लिए स्मार्ट बोर्ड लगाने की मांग रखी।

परीक्षा सुधार की मांग कर ज्ञापन सौंपा

आगर मालवा। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकताओं ने शनिवार को परीक्षा और भर्ती व्यवस्था में सुधार और छात्र आंदोलनों पर हुई कार्रवाई के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने आंबेडकर पार्क से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और डिप्टी कलेक्टर कमल मंडलोई को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अपर्णा गर्ग और तहसीलदार विजय सेनानी भी मौजूद रहे। ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इसके साथ ही, आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले प्रत्येक छात्र के परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता देने और छात्र आंदोलन पर हुई पुलिस कार्रवाई, एक्सपायर्ड आंसू गैस के गोलों तथा कीलों वाली लाठियों के इस्तेमाल की निष्पक्ष जांच कराने की मांग रखी।

आंदोलन के तीसरे चरण में उतरे पटवारी

28 जुलाई से ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन का तीसरा चरण शुक्रवार से शुरू हो गया। इसके तहत जिले की सभी तहसीलों के पटवारियों ने शासकीय व्हाट्सएप समूहों से सामूहिक रूप से लेफ्ट होकर अपनी लंबित मांगों के समर्थन में विरोध दर्ज कराया। संघ के जिलाध्यक्ष हरिओम हनोतिया ने बताया कि प्रदेश संगठन के आह्वान पर शाजापुर, शुजालपुर, कालापीपल, मोहन बड़ोदिया, अवंतिपुर बड़ोदिया, गुलाना और पोलायकलां तहसीलों के पटवारियों ने एकजुट होकर आंदोलन के तीसरे चरण की शुरूआत की है।

संघ का कहना है कि लंबे समय से लंबित कैडर रिव्यू, पदोन्नति, समयमान वेतनमान, नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा, विभिन्न योजनाओं के लंबित मानदेय का भुगतान तथा पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने जैसी मांगों पर शासन द्वारा अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इन्हीं मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो 28 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक वेबजीआईएस, सारा सहित अन्य ऑनलाइन शासकीय कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर 3 अगस्त 2026 से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

सरपंच ने पुलिस मौजूदगी में निर्माणाधीन मकान तुड़वाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ अकोदिया

शाजापुर जिले के अकोदिया थाना क्षेत्र के ग्राम ऊंचावद में सरपंच ओमप्रकाश सक्सेना पर निर्माणाधीन मकान तुड़वाने और विरोध करने पर मारपीट करने के आरोप लगे हैं। 20 जुलाई की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें सरपंच कथित तौर पर हाथापाई करते नजर आ रहे हैं।

पीड़ित ओमप्रकाश पांचाल के परिवार के मुताबिक, वे अपनी जमीन पर मकान का निर्माण करा रहे थे। आरोप है कि सरपंच ओमप्रकाश सक्सेना, मुरलीधर पाटीदार और उनके परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे तथा दबाव बनाकर निर्माणाधीन मकान का एक हिस्सा तुड़वा दिया।

विरोध करने पर हाथापाई का आरोप

परिवार का आरोप है कि जब ओमप्रकाश पांचाल के भाई नरेंद्र पांचाल ने इसका विरोध किया तो उनके साथ गाली-गलौज और हाथापाई की गई। उनका यह भी दावा है कि घटना के दौरान अकोदिया थाने के दो पुलिस जवान और एक महिला आरक्षक मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने विवाद रोकने के लिए कोई हस्तक्षेप नहीं किया।

महासतियों का चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश, शोभायात्रा के साथ स्वागत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में शुक्रवार को जैन महासतियों पूज्यश्री प्रेक्षा महाराज साहब और नवदीक्षिता पूज्यश्री हेमप्रभा महाराज साहब का चातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग पर धार्मिक जयघोष गूंजते रहे और श्रद्धालुओं ने महासतियों का भावपूर्ण स्वागत किया। मंगल प्रवेश यात्रा का शुभारंभ श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से हुआ। नवकारसी के बाद कलश यात्रा कवि कालिदास मार्ग, शालिनी रोड और श्री आदेश्वर मंदिर मार्ग से होते हुए महावीर भवन पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ शामिल रहे, जिससे शहर का वातावरण पूरी तरह धर्ममय हो गया।

उन्होंने श्रद्धालुओं से सामायिक, उपवास, एकासन, आयंबिल सहित विभिन्न तप-आराधनाएं करने और नियमित प्रवचनों का लाभ लेने का आह्वान किया। आयोजन में देवास के अलावा इंदौर, उज्जैन, भोपाल, रतलाम, शाजापुर और शुजालपुर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और अतिथि शामिल हुए। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की अध्यक्ष संगीता राहुल चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए आयोजन की सफलता का श्रेय गुरु भगवंतों के आशीर्वाद और संघ की एकजुटता को दिया।

कार्यकर्ताओं का सम्मान

कार्यक्रम में ट्रस्ट के सचिव विशाल जैन, नवयुवक मंडल और आयोजन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं को सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया गया। अंत में संघ की ओर से सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया। समाजजनों ने इसे देवास में पिछले लगभग 40 वर्षों का सबसे भव्य और ऐतिहासिक चातुर्मास मंगल प्रवेश बताया।

नीलामी सूचना

क्रमांक- 05/27 **दिनांक- 25-01-26**

शा. प्रा. विद्यालय नामलपुर, विकासखण्ड बड़नगर, जिला उज्जैन सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विद्यालय परिसर में स्थित जर्जर भवन विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक के निर्देशानुसार ध्वस्त किया जा चुका है। ध्वस्तीकरण से प्राप्त मलबा एवं अनुपयोगी सामग्री (ईट, लोहे की सामग्री आदि) की नीलामी निम्नानुसार की जाएगी!

नीलामी की तिथि - 03-08-2026
समय- 12 बजे से
स्थान - शासकीय प्राथमिक विद्यालय नामलपुर

शर्तें:-

1. नीलामी खुनी बोली के आधार पर होगी।
2. सर्वाधिक बोली लगाने वाले को सामग्री प्रदान की जाएगी।
3. सकल बोलीदाता को उसी दिन पूरी राशि जमा करनी होगी।
4. भुगतान के बाद सामग्री स्वयं अपने खर्च पर उठानी होगी।

प्रधानाध्यापक
शा.प्रा.वि. नामलपुर
जनशिक्षा केन्द्र शा. कृषि उ मा.वि. खरसौद खुर्द

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने दिपेश शर्मा पिता श्री अशोक जी शर्मा निवासी 449, अतिरिक्त विश्वबैंक कालोनी, आगर रोड़, उज्जैन से उनके द्वारा मूल स्वामी बेबी पिता दगपाल सिंह भदौरिया निवासी महाशक्ति नगर, देवास रोड़, उज्जैन से क्रय अनुबंधीत किया हुआ भूखण्ड क्रमांक 24 व 25 स्थित संजय नगर, आगर रोड़, उज्जैन में है । उक्त भूखण्डो का कुल सयुंक्त क्षेत्रफल 95.87 वर्गमीटर अर्थात 1032 वर्गफीट लगभग है। जिसकी लम्बाई -43 फीट व चौड़ाई 24 फीट है को क्रय करने का सौदा किया है और इसके सम्बन्ध में टोकन राशि प्राप्त कर सौदा चिट्ठी मेरे पक्षकार के हित में निष्पादित किया है। उक्त सौदा चिट्ठी के पालन में मेरे पक्षकार उक्त भूखण्डो के अनुबंध पत्र/विक्रय-पत्र का निष्पादन व पंजीयन शीघ्र ही अपने पक्ष में कराने वाले है, यदि उक्त भूखण्डो में अन्य किसी व्यक्ति को कोई स्वत्व, हित, अधिकार प्राप्त हो या उक्त विक्रय व्यवहार के सम्बन्ध मे अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त भूखण्डो पर किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक, संस्था एवं कम्पनी का किसी किस्म का कोई भार हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में मुझे सूचित करें और लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें ताकि ऐसी आपत्ति का समुचित निराकरण किया जा सके अन्यथा अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूखण्डो का विक्रय-पत्र अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया जावेगा और इसके पश्चात की जाने वाली कोई भी आपत्ति शुन्य होकर मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नही होगी। दिनांक 24/07/2026

अखिलेश बाफना, एडवोकेट
कार्यालय-111, प्रथम तल, हर्शदीप टॉवर, नानाखेडा पेट्रोल पम्प के पास, उज्जैन मो.न. - 9826266570

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार तुलसीराम पिता स्व. दामोदर निवासी 115/4, कमल कॉलोनी, अंकपात मार्ग उज्जैन एवं दयाराम पिता स्व. दामोदरजी निवासी गली नंबर 3, गोंदा की चौकी, अंजली माता मंदिर के पीछे, उज्जैन के पैत्रक स्वामित्व का एक भवन जो कि भवन क्र. 3/2, चौसठ योगिनी मार्ग, तिलकेश्वर बस्ती, पथ क्र. 2 उज्जैन में स्थित है का फर्जी विक्रय पत्र निरमा बाई पति सोहन सिंह निवासी ग्राम मुण्डली तहसील महिदपुर जिला उज्जैन द्वारा छलपूर्वक कराया गया है। उक्त भवन मेरे पक्षकारो के पैत्रक स्वामित्व का है जिसमें मेरे पक्षकारगणों का समान अधिकार है। उक्त विक्रय पत्र के संपादन के विरूद्ध मेरे पक्षकार द्वारा उचित वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इस कारण सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भवन के संबंध में किसी प्रकार का कोई संव्यवहार निरमा बाई पति सोहन सिंह से न करे अन्यथा उक्त संव्यवहार मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

मितेश भार्गव
बी.कॉम., एल.एल.बी. हायकोर्ट एडव्होकेट
कार्यालय :- 201, द्वितीय मंजिल, सिटी ट्रेड सेंटर बड़ा सराफा, उज्जैन, मो. 98270-15951

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकारगण राजपालसिंह पिता ईश्वरसिंह, एवं श्रीमती ललिताकुंवर पति राजपासिंह, निवासीगण सी/9/9 महानंदानगर देवासरोड उज्जैन को श्रीमती आबिदा अली पति इरफान अली, पता-84 हरिफाटक महाकाल मार्ग उज्जैन ने उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य का प्लाट नंबर 5/1-ए महाकाल मार्ग गली नंबर 07 वार्ड क्रमांक 31 क्षेत्रफल 725 वर्गफीट उज्जैन को क्रय करने की लिखित सौदा चिट्ठी दिनांक 1.4.2026 को साक्षी पंकज मिश्रा एवं विशाल शर्मा के समक्ष तय करते हुये अग्रिम विक्रय मूल्य की राशि प्राप्त कर ली है। उक्त प्लाट के विक्रय पत्र का संपादन आबिदा अली मेरे पक्षकारगण के हित में नहीं कर रही है। इस कारण मेरे पक्षकारगण ने एक वाद न्यायालय अष्टम जिला जज महोदय उज्जैन के समक्ष विक्रय पत्र का संपादन कराने हेतु प्रस्तुत किया है, जो प्रकरण क्रमांक 389-ए/2026 पर अंकित होकर विचाराधीन है। मेरे पक्षकारगण को ऐसी जानकारी मिली है कि उक्त श्रीमती आबिदा अली मेरे पक्षकार से हुये सौदे को छिपाकर उक्त प्लाट किसी अन्य को विक्रय व भारग्रस्त करने और बैंक मे बंधक रखने का प्रयास कर रही है। ऐसी स्थिति में कोई भी व्यक्ति उक्त श्रीमती आबिदा अली से उक्त प्लाट के संबंध में किसी प्रकार का कोई कय विक्रय या ऋण उधार देने का व्यवहार नहीं नहीं करे, अन्यथा ऐसा कोई व्यवहार मेरे पक्षकारगण पर बंधनकारक नहीं रहेगा और इसके लिये वह स्वंय जिम्मेदार रहेगा।

पंखुरी समदानी हाईकोर्ट, एडवोकेट
स्थित-92, गोंदा चौकी, गुरू मंदिर के पास, उज्जैन
फोन नंबर 0734-2551822

जाहिर सूचना

ग्राम नजरपुर तह. घट्टिया जिला उज्जैन स्थित कृषि भूमि सर्वे नंबर 573/1 रकबा 0.59 हेक्टेयर के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्रीमती रमाबाई पति स्व. वज्जा निवासी- नजरपुर तह. घट्टिया जिला उज्जैन से उनके स्वामित्व, आधिपत्य की ग्राम नजरपुर तह. घट्टिया जिला उज्जैन स्थित कृषि भूमि सर्वे नंबर 573/1 रकबा 0.59 हेक्टेयर भूमि को गणपत पिता पर्वतसिंह निवासी ग्राम राजोदा तह. घट्टिया जिला उज्जैन द्वारा धोखाधडी करते हुए उक्त भूमि प्रतिफल की राशि अदा किये बिना रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक MP17IGR18842026A100049766 दिनांक 06.01.2026 के आधार पर विक्रय पत्र अपने हित में संपादित कराकर राजस्व अभिलेखो में अपना नाम भी दर्ज करा लिया जिस संबंध में हमारे पक्षकार द्वारा श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय अनुभाग घट्टिया जिला उज्जैन के समक्ष अपील प्रकरण क्र. 0014/अपील/2026-27 प्रस्तुत की गई थी, उक्त अपील श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी द्वारा आदेश दिनांक 21.07.2026 को स्वीकार की जाकर तहसीलदार महोदय के नामांतरण प्र.क्र. 1928/अ-6/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 22.04.2026 को निरस्त किया जाकर उक्त भूमि पर हमारे पक्षकार का नाम राजस्व अभिलेखो में दर्ज किया जा चुका है तथा उक्त भूमि पर आधिपत्य भी हमारे पक्षकार का ही है तथा उक्त विक्रय पत्र क्र. MP17IGR18842026A100049766 दिनांक 06.01.2026 को शुन्य घोषित किये जाने हेतु हमारे पक्षकार द्वारा श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश महोदय कनिष्ठ खण्ड उज्जैन के समक्ष एक व्यवहार वाद क्र. 294/2026 भी संस्थित किया गया है जो कि विचाराधीन है, उसके बावजूद भी उक्त अवैध व शुन्य विक्रय पत्र के आधार पर गणपत पिता पर्वतसिंह के द्वारा उक्त भूमि को अन्यत्र विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है उपरोक्त स्थिति में यदि किसी अन्यत्र पक्ष के द्वारा हमारे पक्षकार की उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के संबंध में गणपत पिता पर्वतसिंह से कोई संव्यवहार, विक्रय पत्र, दान, गिरवी, बक्षिस, बंधक या हस्तांतरण संबंधी कोई कार्यवाही की जाती है तो वह हमारे पक्षकार पर बंधनकारक न होकर अवैध व शुन्य होगी। सो सूचित हो।

(राजेश परिहार) अधिवक्ता म.प्र. उच्च न्यायालय
556 समर्थ ड्रीम सिटी, नैनोद गोमटगिरी, इन्दौर (म.प्र.)
मो.न. 9907508980

XI-HC--43

Respondent No. 1 to 3 Notice for Admission and L.A.7237/2025 for Stay
Fixed for 10-08-2026

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, खण्डपीठ इंदौर पुनरीक्षण के आवेदन-पत्र की सुनवाई के लिये नियत दिनांक की विरोधी पक्षकार को सूचना सिविल पुनरीक्षण क्रमांक CR/1018/2024

Process Id: 35394/2026

SMT. SHYAMABAI @ KAMLABAI आवेदक
विरूद्ध
SMT. SHASHI @ SUSHEELA PANWAR and others अनावेदक

सन 2024 के MCA क्रमांक 7 सन 2024 में न्यायालय II District Judge (Shri Hemant Savita), District Ujjain (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश दिनांक28-08-2024 के पुनरीक्षण के लिए आवेदन-पत्र।

प्रति.
R-No.1- Smt. Shashi @ Susheela Panwar,
W/o. Late Shri Nathusingh Panwar,
Age-55 years Occupation-House wife,
R/o: N-1/G-4, 32 Battalion, District Ujjain (M.P.)
R-No.2- Senani
R/o: 32 Vahini, Vishesh Shshatra Bal, Ujjain, District Ujjain (M.P.)
R-No.3- Public in General.

कृपया सूचित हो कि ऊपर वर्णित पुनरीक्षण के लिये आवेदन-पत्र श्री Appellant द्वारा इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और पंजीयित किया गया है और यह कि इंदौर में आपकी उपस्थिति के लिये दिनांक 10-08-2026 नियत किया गया है और यह कि यह मामला उस दिन या उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस मामले के संबंध में आपके लिये कार्य करने के लिये विधिवत प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ तो आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जायगी और निर्णय दिया जायेगा।

आज दिनांक 10-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, खण्डपीठ इंदौर की मोहर से दिया गया।

उच न्यायालय के आदेश से,
(Smt. Anamika Choure)
Administrative Officer(J)

CR-DA1

सोमानी भाजपा नगर मंडल महामंत्री नियुक्त

तराना। भाजपा उज्जैन ग्रामीण जिला संगठन ने नगर मंडल तराना की नई कार्यकारिणी घोषित की। इसमें दीपक सोमानीको नगर मंडल तराना का महामंत्री नियुक्त किया गया।जिला ग्रामीण अध्यक्ष की सहमति से नगर मंडल अध्यक्ष आकाश बोड़ाना ने यह जिम्मेदारी सौंपी। पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और नीतियों को बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए युवाओं को मौका दिया है।नियुक्ति पर सोमानी ने कहा कि वे निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

डॉ. बागी नए खंड चिकित्सा अधिकारी

सुसनेर। स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक कार्यसुविधा की दृष्टि से एक बड़ा फेरबदल किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आगर-मालवा के द्वारा जारी एक नए आदेश के तहत डॉ. अखिलेश कुमार बागी को सिविल हॉस्पिटल सुसनेर का नया खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। डाक्टर बागी अब डाक्टर बृजभूषण पाटीदार की जगह लेंगे। बता दें कि 18 जून को सीबीएमओ डॉक्टर राजीव कुमार बरसेना का स्थानांतरण उज्जैन होने के बाद डॉक्टर बृजभूषण पाटीदार को अस्पताल संचालन के भौतिक अधिकार दिए गए थे। वित्तीय अधिकार नहीं दी जाने से पिछले दो माह से कर्मचारियों का वेतन नहीं मिलने के साथ ही हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का भुगतान भी नहीं हो रहा था।

नगर मण्डल की कार्यसमिति घोषित

तराना। तराना नगर मण्डल अध्यक्ष आकाश बोड़ाना ने नगर मण्डल की मण्डल कार्यसमिति घोषित की। जिसमें 6 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 6 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष, 1 कार्यालय मंत्री, 1 सह कार्यालय मंत्री, 1 मीडिया प्रभारी, 1 सह मीडिया प्रभारी, 1 आईटी सेल प्रभारी, 1 आईटी सेल सहप्रभारी, 1 सोशल मीडिया प्रभारी, 1 सोषल मीडिया सहप्रभारी नियुक्त किये गये है। जिसमें मण्डल उपाध्यक्ष रश्मि जोशी, सत्यनारायण पाटीदार, सुशील रिंकु डोडिया, कृष्णा शेरू परमार, संदीप जाधव, अखिलेश पोरवाल, मण्डल महामंत्री नरेन्द्र सोलंकी दीपक सोमानी मण्डल मंत्री, शीला अजय वर्मा, पवन सोलंकी, लोकेश ठाकुर, रूपेश पिंटू जोशी, करण पाटीदार, आकाश गवली, कोषाध्यक्ष सुरभि गर्ग , सह कोषाध्यक्ष प्रवेश जोशी, कार्यालय मंत्री महेन्द्र पंजाबी, सह कार्यालय मंत्री रूपम गुर्जर, मीडिया प्रभारी सचिन बोड़ाना , सह मीडिया प्रभारी सुनिल यादव , सोशल मीडिया प्रभारी अंकित चोहान , आईटी सेल प्रभारी गणेश परिहार, आईटी सेल सहप्रभारी ज्योति खरे सहित कार्यसमिति सदस्य को नियुक्त किया है। जानकारी जिला मीडिया प्रभारी गजेन्द्र परमार ने दी।

फसल बीमा दावों की विसंगतियों को दूर करने की मांग

सारंगपुर। जिले के किसानों की फसल बीमा क्लेम राशि को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विभाग के उप संचालक पान सिंह करोलिया, सहायक संचालक वासिम खान एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी) के मैनेजर गोविंद पाटीदार उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में बांटी गई बीमा क्लेम राशि पर विस्तृत चर्चा करना था। अधिकारियों और किसान प्रतिनिधियों ने इस बात पर गहन विचार-विमर्श किया कि जिन क्षेत्रों में बीमा राशि जमा हो चुकी है, वहां का विवरण स्पष्ट किया जाए और जिन किसानों को बीमा राशि अब तक नहीं मिल सकी है, उन्हें इसके कारणों की पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बीमा क्लेम राशि से जुडी सभी जानकारियां जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाई जाएंगी, ताकि भ्रम की स्थिति दूर हो सके। इस अवसर पर उन्नातशील किसान सतीश बैस, कमल सिंह दरबार तथा छतर सिंह राजपूत सहित अन्य किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिदपुर में मंगल वरदाय चातुर्मास का भव्य मंगल प्रवेश, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हुआ नगर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

प्रातः स्मरणीय, कलिकाल कल्पतरु, अभिदान राजेंद्रकोष रचयिता, विश्वपूज्य दादागुरुदेव आचार्य देवेश श्रीमद् विजय राजेंद्रसुरीश्वरजी महाराजा साहब एवं पुण्य सम्राट गुरुदेव आचार्य देवेश श्रीमद् विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा. की दिव्य कृपा से एवं हृदय सम्राट वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य आचार्य देवेश श्रीमद् विजय नित्यसेनसुरीश्वरजी म.सा. की आज्ञा से महिदपुर नगर में श्री राजेंद्रसूरीश्वरजी महराजा जन्म द्विशताब्दी समर्पित मंगल वरदाय चातुर्मास होने जा रहा है। जिसका का भव्य मंगल प्रवेश गुरुवार को शोभायात्रा, धर्मसभा एवं विविध धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ।

मातृ हृदया साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म.सा. की सुशिष्या साध्वी श्री तत्वलता श्रीजी म.सा., साध्वी श्री कुसुमलता श्रीजी म.सा., साध्वी श्री जिनांगयशा श्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री करुणायशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा का महिदपुर नगर में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर नगर सहित देश के विभिन्न स्थानों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा वातावरण धर्ममय हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री लाल मंदिर में आयोजित नवकारसी से हुआ। इसके पश्चात श्री लाल मंदिर से भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई त्रिस्तुतिक जैन पौषधशाला पहुंची। शोभायात्रा में सुसज्जित घोड़े, धर्मध्वज, बैंड, ढोल एवं आकर्षक रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। एक रथ में विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा तथा दूसरे रथ में पुण्य सम्राट गुरुदेव श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी महाराजा की प्रतिमाएं विराजित थीं, पूज्य गुरुदेव की मूर्ति के समक्ष शोभा यात्रा में धर्मावलियों ने बड़ी संख्य में गवली कर श्रद्धा अभिव्यक्त की शोभायात्रा में साध्वी भगवंत, की अगवानी में नगर के समस्त श्री संघ सदस्य,महिला मंडल, बहु मंडल, बालिका मंडल, श्रावक-श्राविकाएं, बच्चे, जैन सोशल ग्रुप ,जैन समाज के अन्य विविध संगठन सदस्य सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुए। शोभायात्रा की संपूर्ण व्यवस्था आदर्श महावीर नवयुवक मंडल द्वारा की गई।

त्रिस्तुतिक जैन पौषधशाला में आयोजित धर्मसभा का संचालन श्री संघ के उपाध्यक्ष आकाश मेहता ने किया। कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मेहता ने गुरु वंदन किया ।

अपने मंगल प्रवचन में साध्वी श्री तत्वलता श्रीजी मसा ने कहा कि चातुर्मास केवल चार माह का काल नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने बताया कि इन चार महीनों में धर्म, आराधना, संयम, स्वाध्याय एवं तप के माध्यम से आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। साध्वीश्री ने 'मंगल वरदाय चातुर्मास' नाम का आध्यात्मिक महत्व समझाते हुए कहा कि यह चातुर्मास सभी के जीवन में मंगल, सद्भाव एवं धर्मभावना का विकास करने वाला है। उन्होंने श्रद्धालुओं से चातुर्मास के प्रत्येक दिन को धमार्राधना, त्याग एवं सदाचार से सार्थक बनाने का आह्वान किया।

जनप्रतिनिधि व गणमान्यजन रहे उपस्थित

प्रवेश कार्यक्रम की अगवानी में क्षेत्र विधायक दिनेश जैन 'बॉस', पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान उपस्थित रहे एवं श्री संघ सदस्यों के साथ प्रवेश मार्ग पर धार्मिक धुनों पर भक्ति नृत्य में झूमे। अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश छाजेड़ पारा वाले, अ भा श्री राजेंद्र नवयुवक परिषद के मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा नागदा, मध्यप्रदेश राजेंद्र महिला परिषद अध्यक्ष संगीता पोरवाल भी सोमैया में विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही नागदा, कुशलगढ़, महिदपुर रोड, उज्जैन, सारंगी, करवड़, पारा, जावरा, रतलाम, राजगढ़, टांडा, धामंदा, मेघनगर, खाचरौद, पुणे, बड़नगर, धार, कसरावद, बबलई एवं सरवा श्री संघ सहित अनेक श्री संघों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

भावसार समाज सार्वजनिक न्यास उज्जैन के दिनेश भावसार अध्यक्ष मनोनीत

इंगोरिया। भावसार समाज सार्वजनिक न्यास ट्रस्ट उज्जैन (धर्मशाला) की आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से दिनेश चंद्र भावसार (इंगोरिया) को ट्रस्ट का नव नियुक्त अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष दिनेश झाला, ट्रस्ट के सभी न्यासी गण और वरिष्ठ समाज जनों की उपस्थिति में गुरुवार को सपना गार्डन में नव नियुक्त अध्यक्ष दिनेश भावसार का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भावसार समाज के प्रांतीय अध्यक्ष विपिन भावसार, संरक्षक अनिल भावसार, सरपंच दशरथ सिंह चौहान, डॉक्टर राजेश रावल, गोविंद गुर्जर और बंशी सोनी ने दिनेश भावसार को बधाई देकर शुभ कामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष विपिन भावसार ने कहा कि यह नियुक्ति समाज की एकता, सहयोग एवं सेवा की भावना को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्व पूर्ण कदम मानी जा रही है। वहीं पूर्व अध्यक्ष दिनेश झाला ने ट्रस्ट के सफल संचालन एवं समाज हित में निरंतर कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया

ब्यावरा। स्थानीय अंजनी लाल मंदिर ब्यावरा मे भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि अशोक शर्मा प्रांतीय संगठन मंत्री कृ.वि.अधिकारी संघ मध्यप्रदेश, विशेष अतिथि बापूलाल सुमन जिला संयोजक अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स संघ, राजेश सक्सेना जिला अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ मंच रहे कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्ज्वलित कर भगवान विश्वकर्मा, भारत माता दत्तोपंत ठेंगडी के चित्रों पर माल्यार्पण कर की इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा संगठन की रीति नीति ओर सफलता के बारे में बताया गया, कार्यक्रम में गोपाल शर्मा विभाग प्रमुख, जगन्नाथ लोधी तहसील अध्यक्ष, रंगलाल दांगी तहसील मंत्री ब्यावरा, श्रीमती अनिता महावर तहसील उपाध्यक्ष, महेशचंद्र जयपुरिया कोषाध्यक्ष, हरीबाबू निगम, सुश्री शिल्पा खराडी तहसील उपाध्यक्ष, श्रीमती कृष्णा मालवीय प्रदेश मंत्री आंगनवाड़ी संघ, श्रीमती सूर्यकिरण शर्मा जिला अध्यक्ष आंगनवाड़ी संघ , श्रीमती सरिता त्रिपाठी एवं भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन तहसील अध्यक्ष जगन्नाथ लोधी द्वारा किया गया एवं आभार रंगलाल दांगी तहसील मंत्री द्वारा किया गया।

भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया

राजगढ़-ब्यावरा। नरसिंहगढ़ के शासकीय कार्यक्रम में राजगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सौंधिया एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष पर्वत यादव को पुलिस प्रशासन द्वारा रोकना बेहद निंदनीय है। इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मंच पर एक जनप्रतिनिधि के साथ कथित हाथापाई की घटना सामने आई। राजगढ़ के पूर्व विधायक बापू सिंह तंवर ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने जनप्रतिनिधि के साथ हाथापाई की है, तो उसके विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। कानून सभी के लिए समान है और किसी भी दोषी को राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। भाजपा सरकार स्पष्ट करे कि सरकारी कार्यक्रमों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपमान क्यों किया जा रहा है? लोकतंत्र में असहमति का उत्तर हिंसा या दुर्व्यवहार नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधियों का सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हर सरकार की जिम्मेदारी है। दोषियों पर तत्काल और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

जिनेंद्र पूजा से मिलती है सुख-शांति और समृद्धि

सुसनेर। मोड़ी में धर्म नगरी में आयोजित धार्मिक महोत्सव के चौथे दिन मंडल विधान के अंतर्गत सौधर्म इंद्र सहित सभी इंद्रों द्वारा संपूर्ण लोक के मंगल, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना के साथ पूर्व-पश्चिम धातकी खंड के भूत, वर्तमान और भविष्यकाल के 144 तीर्थंकर भगवानों की सर्वतोभद्र महापूजा संपन्न हुई। पूजन श्रुत उपासक पंडित मुकेश शास्त्री के निर्देशन में विधि-विधान से कराया गया। इस अवसर पर पंडित मुकेश शास्त्री ने सर्वतोभद्र महापूजा का महत्व बताते हुए कहा कि जिनेंद्र भगवान की अष्टद्रव्य से की गई पूजा साधक को अभीष्ट फल प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि संसार में वस्तुएं मांगने पर मिलती हैं, लेकिन जिनेंद्र भगवान की सच्ची आराधना करने वाले श्रद्धालु को बिना मांगे ही इच्छित फल एवं आध्यात्मिक सुख की प्राप्ति होती है। यह पूजा सभी जीवों के इस लोक और परलोक के कल्याण में सहायक है। कार्यक्रम के दौरान मंडल विधान पर दीपक स्थापित करने का सौभाग्य श्रेष्ठी गोकुलचंद, राकेश कुमार, पवन कुमार एवं विजय कुमार परिवार, मोड़ी को प्राप्त हुआ। वहीं संध्या आरती का सौभाग्य श्रेष्ठी सुरेशचंद एवं मनीष कुमार, मोड़ी को मिला। आरती के पश्चात प्रमोद जैन एंड ग्रुप द्वारा भक्तामर भजन-भक्ति की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धर्मदास गणनायक प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी के मुखारविंद से

खाचरौद के मुमुक्षु राजेंद्रजी बुपक्या ने ताल में जैन भगवती दीक्षा अंगीकर की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरोद

दीक्षा विधि प्रारंभ कर दीक्षार्थी को पांच मांगलिक संत मंडल एवं पांचवीं मांगलिक प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी ने श्रवण करवाई। पश्चात प्रवर्तक श्रीजी ने मुमुक्षु राजेंद्र भाई को दीक्षा प्रदान कर पूज्य अतिशयमुनिजी म.सा का शिष्य घोषित किया। मुमुक्षु को रजोहरण प्रदान करते हुए पूज्य प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी ने फरमाया कि यह कर्म रज को दूर करने वाला धर्म ध्वज है। इससे यतना करना। पात्र संयम निर्वाह का साधन है। संयम का दृढ़ता से पालन करना और आप भी गुणों के पात्र बनना। प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी ने नवदीक्षित का नामकरण कर पूज्य श्री नंदराजमुनिजी म.सा. नाम दिया। दीक्षा को लेकर खाचरोद संघ का उत्साह चरम पर रहा। लगभग 200 से अधिक समाज जन इस अवसर पर इस प्रसंग के साक्षी बने ` इस दीक्षा प्रसंग पर धर्मदास गणनायक प्रवर्तकश्री जिनेन्द्रमुनिजी, अभयमुनिजी, अतिशयमुनिजी, ठाणा-8 का पावन सानिध्य मिला। दीक्षा महोत्सव का प्रारंभ नवकार महामंत्र से हुआ।उल्लेखनीय की है इस दीक्षा के साथ धर्मदास गणनायक प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा के मुखारविंद से धर्मदास गण में यह 50 वीं दीक्षा संपन्न हुई ।

पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग की दशा सुधारने सेवा दल ने की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

सारंगपुर नगर के मध्य से गुजरने वाले पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने गहरे गड्ढों, कीचड और अव्यवस्थित शोल्डर की समस्या को लेकर जिला कांग्रेस सेवा दल के द्वारा जिला महासचिव कैलाश ठाकुर के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग के एसडीओ को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई है कि सडक के दोनों ओर तत्काल मुरम व चूरी डालकर समतल व सुरक्षित पैदल मार्ग का निर्माण कराया जाए।

बारिश में राहगीरों और स्कूली बच्चों की आफत

ज्ञापन के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराया गया कि पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर लंबे समय से सडक किनारे गहरे गड्ढे और कीचड व्याप्त है। बारिश के मौसम में स्थिति अत्यधिक गंभीर हो गई है।

बारिश से सोयाबीन को मिली संजीवनी

सारंगपुर। सारंगपुर क्षेत्र में करीब दो सप्ताह के लंबे इंतजार के बाद हुई बारिश ने किसानों को बडी राहत दी है। बारिश से खरीफ फसलों, खासकर सोयाबीन में फिर से जान आ गई है। लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण फसल मुरझाने लगी थी, लेकिन अब खेतों में नमी लौटने से किसानों की उम्मीदें बढ गई हैं। किसान मुकेश गोस्वामी ने बताया कि लगातार बारिश नहीं होने से सोयाबीन की फसल सूखने लगी थी। नमी बचाने के लिए किसान खेतों में डोरे चलाकर फसल को बचाने का प्रयास कर रहे थे। अब बारिश के बाद फसल की स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है। कृषि विभाग के एसएडीओ राजेश राजपूत ने बताया कि बुवाई के 35 से 45 दिन बाद सोयाबीन में फूल आने की प्रक्रिया शुरू होती है।

हर घर पेंशन पहुंचाने के उद्देश्य से

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का लाभ लेने की अपील

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर हितग्राही को प्रतिमाह 3 हजार रुपये की आजीवन पेंशन प्रदान की जाती है। हितग्राही की मृत्यु होने पर उसके पति या पत्नी को 1500 रुपये प्रतिमाह पारिवारिक पेंशन का लाभ भी मिलता है।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रमिकों को मिलेगा, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से अधिक नहीं है। साथ ही आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए तथा वह ईपीएफ, ईएसआईसी अथवा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) का सदस्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि योजना में आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये तक मासिक अंशदान जमा करना होता है। हितग्राही द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान केंद्र सरकार भी जमा करती है, जिससे श्रमिकों को वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का लाभ मिल सके।

साढ़े चार लाख पेंशनरों के साथ करें न्याय

जनवरी से बकाया डीए एरियर सहित भुगतान करने के दे आदेश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरोद

मध्य प्रदेश के 4:50 लाख पेंशनर जनवरी 2026 से ही महंगाई भत्ता की आश लगाए बैठे हैं सात माह व्यतीत हो जाने के बाद भी मध्य प्रदेश सरकार डी ए देने का नाम नहीं ले रही है जो पेंशनरों के साथ घोर अन्याय है । मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष स्वरूप नारायण चतुवेर्दी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया की पेंशनरों का बुढ़ापे में एकमात्र सहारा पेंशन और इस पर मिलने वाला डी ए है। चतुर्वेदी ने कहा कि केंद्र सरकार अपने पेंशनरों को समय-समय पर (जनवरी एवं जुलाई वर्ष में दो बार) डी ए दे रही है लेकिन मध्य प्रदेश सरकार जनवरी का डी ए आज तक नहीं दे पाई है इसके चलते प्रदेश के पेंशनरों को इस महंगाई के युग में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पहले तो छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति लेना पड़ती थी अब तो यह समस्या सदैव के लिए समाप्त हो गई है फिर डी ए देने में विलंब क्यों हो रहा है। सरकार को तत्काल महंगाई भत्ता डी ए देने के आदेश जारी कर न्यायोचित कार्यवाही करनी चाहिए ।

श्री शारदा इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में हुआ होनहार छात्रों का भव्य स्वागत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

श्री शारदा हायर सेकेंडरी स्कूल बड़नगर में आज ऐसे छात्र-छात्राओं एवं उनके माता-पिता का भव्य स्वागत किया गया जिन्होंने नीट, यूजी, जेईई एडवांस में परचम लहराते हुए आईआईटी कॉलेज एवं एमबीबीएस कॉलेज के लिए अपनी सीट पक्की कर परिवार विद्यालय एवं नगर का नाम रोशन किया। विद्यालय के होनहार छात्र आदित्य पिता प्रदीप श्रीवास्तव ने नीट परीक्षा 2026 में सामान्य कैटेगरी में 534 अंक प्राप्त किया विद्यालय की होनहार बिटिया कशिश पिता राकेश तिवारी ने आईआईटी कॉलेज जोधपुर में कंप्यूटर साइंस में प्रवेश प्राप्त कर नगर का नाम रोशन किया। विद्यालय में सर्वप्रथम इन होनहार बच्चों एवं उनके माता-पिता के द्वारा झंडा वंदन करवाया गया। इसके पश्चात संस्था प्राचार्य बृजेश श्रीवास्तव द्वारा पुष्प मालाओं एवं शब्दों के माध्यम से उनका अभिनंदन किया गया सफल छात्र आदित्य श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में बच्चों को यह प्रेरणा दी कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प इस दुनिया में नहीं है और ना ही कोई चमत्कार जैसी चीज है बस अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगातार समर्पण के साथ मेहनत करना ही एकमात्र सफलता का सूत्र है तथा कशिश तिवारी मैं बच्चों से कहा की जीवन में अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें।

सुठालिया सिंचाई परियोजना में विशेष पैकेज से पीछे हटना दुर्भाग्यपूर्ण

मुआवजा विसंगति दूर कर प्रभावित किसानों को समान न्याय मिले- किसान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

सुठालिया सिंचाई परियोजना से प्रभावित किसानों ने विधानसभा में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा दिए गए उत्तर पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जून 2023 में परियोजना प्रभावित किसानों के लिए घोषित विशेष पैकेज से सरकार का पीछे हटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। किसानों का कहना है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई घोषणा से प्रभावित परिवारों में न्याय मिलने की आशा जगी थी, लेकिन विधानसभा में दिए गए उत्तर से उनकी उम्मीदों को गहरा आघात पहुंचा है।

राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह द्वारा विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में जल संसाधन मंत्री ने विशेष पैकेज के संबंध में नकारात्मक जवाब दिया। वहीं मुआवजा विसंगति के प्रश्न पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि 24 अप्रैल 2026 से पूर्व पारित अवार्डों पर दो गुना तथा उसके बाद पारित अवार्डों पर चार गुना मुआवजा दिया जाएगा।

डैम प्रभावित किसानों ने इस व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह परियोजना अभी भी रनिंग परियोजना है। एक ही परियोजना, एक ही गांव, एक ही अधिसूचना और समान प्रकार की भूमि होने के बावजूद किसानों को अलग-अलग दरों से मुआवजा दिया जाना न्याय और समानता के सिद्धांतों के विपरीत है। किसानों का कहना है कि एक ही परियोजना में किसी को दो गुना और किसी को चार गुना मुआवजा देना गंभीर विसंगति है, जिसे सरकार को तत्काल दूर करना चाहिए। प्रभावित किसानों का कहना है कि जब राज्य सरकार ने चार गुना मुआवजा देने का निर्णय लिया, तब पहले से संचालित परियोजनाओं में उत्पन्न होने वाली मुआवजा विसंगति को समाप्त करने के लिए भी आवश्यक प्रावधान किया जाना चाहिए था।

लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही इस विषय पर पुनर्विचार कर न्यायपूर्ण निर्णय नहीं लिया, तो प्रभावित किसान लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। आवश्यकता पड़ने पर किसान मुआवजा वापस करने सहित अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन का रास्ता अपनाएंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

क्या बच्चों को जरूरत से ज्यादा सुरक्षा देना उन्हें कमजोर बना सकता है...?

आज के समय में माता-पिता अपने बच्चों को लेकर पहले से कहीं ज्यादा सतर्क और चिंतित नजर आते हैं। बदलती दुनिया, बढ़ते क्राइम, सोशल मीडिया का असर और पढ़ाई का दबाव, इन सबके बीच पैरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा हर खतरे से दूर रहे। इसी सोच में कई माता–पिता बच्चों के हर कदम पर नजर रखने लगते हैं। क्या पहनना है, किससे दोस्ती करनी है, कौन सा खेल खेलना है, यहां तक कि क्या सोचना है, हर फैसले में पैरेंट्स का कंट्रोल बढ़ता चला जाता है। शुरूआत में यह सब प्यार और सुरक्षा जैसा लगता है, लेकिन क्या यह जरूरत से ज्यादा सुरक्षा बच्चों के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है?

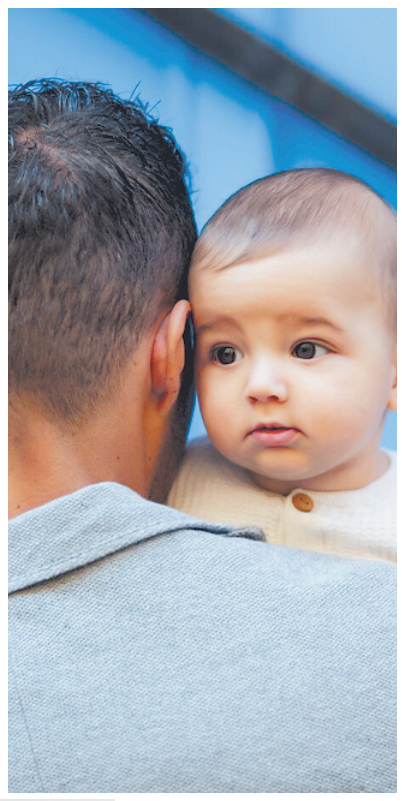

ओवरप्रोटेक्टिव पैरेंटिंग में बच्चे को गलती करने या असफल होने का अनुभव नहीं मिलता

जब माता-पिता बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से जरूरी आजादी नहीं देते, हर फैसले में हस्तक्षेप करते हैं और गलती करने का मौका नहीं देते, तो इसे ओवरप्रोटेक्टिव पैरेंटिंग कहा जाता है। इसमें बच्चे की सुरक्षा के नाम पर उसकी फ्रीडम, आत्मनिर्भरता और अनुभव लेने की क्षमता सीमित हो जाती है। जरूरत से ज्यादा सुरक्षा बच्चों के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है।

जब बच्चा खुद फैसले नहीं ले पाता, तो उसे अपने ऊपर भरोसा करना नहीं आता। धीरे-धीरे उसे लगने लगता है कि वह कुछ भी अकेले नहीं कर सकता। डॉक्टर बताते हैं कि ऐसे बच्चे बड़े होकर भी दूसरों की मंजूरी पर निर्भर रहते हैं और नए चैलेंज लेने से डरते हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ओवरप्रोटेक्टिव माहौल बच्चों में एंग्जायटी और डर को बढ़ा सकता है। जब माता-पिता हर समय खतरे की चेतावनी देते रहते हैं, जैसे गिर जाओगे, फेल हो जाओगे, बीमार पड़ जाओगे, तो बच्चा दुनिया को असुरक्षित मानने लगता है।

रंग भरकर चित्र बनाओ

रास्ता खोजो

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

झटपट बॉलीवुड

- रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर आज रिलीज होने वाला था, लेकिन छात्र आंदोलनों के बीच इसे टाल दिया गया है। अब इसे पहली झलक के रूप में हॉलीवुड फिल्म स्पाइडर–मैन 4 के साथ30 जुलाई को दिखाए जाने की योजना है। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा और इसके लिए उन्होंने काफी लंबे समय तक तैयारी की। यश ने भी उनकी कास्टिंग का समर्थन किया है।
- मानुषी छिल्लर ने बताया कि उन्हें पेपर लीक के कारण ठएएळ दोबारा देना पड़ा था, और वे भी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन कर रही हैं।
- राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार', जो सरकारी वकील उज्ज्वल निकम के जीवन पर आधारित बताई जा रही है, उसकी रिलीज आगे बढ़ा दी गई है।
- संगीतकार अमाल मालिक ने संगीत इंडस्ट्री में गीतों के क्रेडिट और रीमेक को लेकर तनीष्क बागची पर सार्वजनिक रूप से गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसकी काफी चर्चा हो रही है।

बच्चों को बनाना है स्मार्ट और कॉन्फीडेंट, तो अपनाएं ये टिप्स

कॉन्फिडेंट बच्चे खुद के लिए निर्णय लेने में जरा भी देर नहीं लगाते। बच्चों के डेवलपमेंट में उनके पेरेंट्स का पूरा हाथ होता है। अपने बच्चों के लिए खुद को अच्छा रोल मॉडल बनाकर उनका कॉन्फिडेंस बढ़ाने में मदद करना हम पेरेंट्स का ही तो काम है।

हमेशा पॉजिटिव रहें

किसी भी तरह की सफलता के पीछे हमारी पॉजिटिविटी का ही हाथ होता है। ऐसे में अपने बच्चों को हमेशा सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा दें और उनके सकारात्मक कार्यों के असफल होने पर भी उन्हें प्रोत्साहित करें और बताएं कि हार और जीत जिंदगी का ही हिस्सा है और इससे सीख लेना चाहिए।

उनके विचारों को समझने में मदद करें

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके अंदर आत्म–निरीक्षण की भावना पैदा करनी चाहिए। इसके लिए हमें उनके विचारों और शक्तियों को समझने में मदद करनी होगी। इसके लिए आप उन्हें ॐ मंत्र का जाप करना सिखाएं और साथ में मेडिटेशन भी।

ईश्वर क्या है ये बताएं

बच्चों को अपने जीवन मूल्यों को समझने और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने के लिए सबसे पहले ईश्वर क्या है ये जरूर बताएं। ईश्वर की शक्ति और उन पर विश्वास की भावना को जगाएं।

आध्यात्म से परिचय कराएं

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को और भी अधिक लचीला बनाए रखने के लिए उनका आध्यात्मिक विकास जरूरी है। इससे बच्चों में विचार शक्ति का विकास होता है, जो उन्हें सही–गलत में अंतर को समझने में मदद करता है, जिससे उनमें निर्णय लेने की शक्ति का विकास होता है।

बच्चों तुम अपना बेस्ट दो

बच्चों में अपना बेस्ट करने की भावना को प्रोत्साहित करें। उन्हें बताएं कि वह जो कर रहे हैं, उसमें अपना सर्वोच्च दें। सफलता मिलेगी या नहीं इसकी चिंता न करें। जीवन में हर चीज के लिए तैयार रहे और जो भी कर रहे हो उसे सफलता में बदलकर ही दम लो।

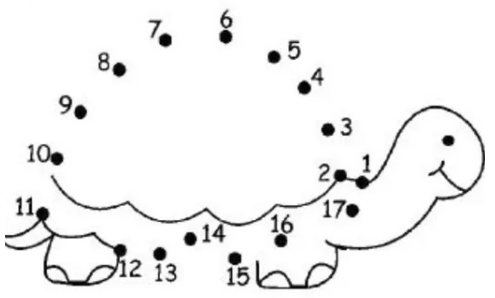

पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को नहीं मिला मेडल: अशोक चौथे स्थान पर रहे

एजेंसी ▸▸ ग्लासगो

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के दूसरे दिन पैरा पावरलिफ्टिंग के पहले मेडल इवेंट में भारत पदक से चूक गया। पुरुष लाइटवेट वर्ग में नौ बार के राष्ट्रीय चैंपियन अशोक कुमार मलिक चौथे, जबकि परमजीत कुमार सातवें स्थान पर रहे।

पैरा स्विमिंग के पुरुष 100 मीटर फ्रीस्टाइल र13 वर्ग में कार्तिक (आरवीवीबीके) बुडिगिना और अली इमाम ने फाइनल में जगह बनाई। स्टार तैराक श्रीहरि नटराज भी पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंच गए। महिला लाइटवेट वर्ग में जसप्रीत कौर ने पहले प्रयास में 98 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बड़ी सफल लिफ्ट रही। इस लिफ्ट के साथ उन्होंने 91.6 अंक हासिल किए और ग्रुप-बी में शुरूआती बढ़त बना ली। इसके बाद सुमन देवी ग्रुप-ए में चुनौती पेश करेंगी।।

पुरुष लाइटवेट फाइनल में अशोक कुमार मलिक ने पहली कोशिश में 195 किलोग्राम वजन उठाया। दूसरी कोशिश में उन्होंने 200 किलोग्राम की पर्सनल बेस्ट लिफ्ट सफलतापूर्वक पूरी और 143.8 अंक हासिल किए। तीसरी कोशिश में 205 किलोग्राम उठाने में असफल रहे और चौथे स्थान पर रहे।

परमजीत कुमार ने पहली कोशिश में 176 किलोग्राम वजन उठाकर 135.6 अंक हासिल किए। इसके बाद दूसरी और तीसरी दोनों कोशिशों में 179 किलोग्राम उठाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बार असफल रहे। वह सातवें स्थान पर रहे।

पुरुष लाइटवेट वर्ग में इंग्लैंड के मार्क स्वान और नाइजीरिया के रोलैंड एजुरुइके ने 153.9 अंक हासिल किए, जबकि मलेशिया के बॉनी गस्टिन 153.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अशोक 143.8 अंक के साथ चौथे स्थान पर रह गए। आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में पैरेलल बार के बाद योगेश्वर सिंह दूसरे और तपन मोहंती चौथे स्थान पर चल रहे हैं। दूसरी ओर, लॉन बॉल्स महिला पेयर्स मुकाबले में रूपा रानी तिर्की और पिंकी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एंड के बाद 3-0 की बढ़त बना ली।

एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट इवेंट का शेड्यूल जारी

एजेंसी ▸▸ नागोया

एशियन गेम्स 2026 के लिए क्रिकेट टूनामेंट के ड्रॉ और ग्रुप गुरुवार को घोषित कर दिए गए। भारतीय मेंस और विमेंस टीमों ने सीधे नॉकआउट (क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली है। इस बार क्रिकेट टूनामेंट के सभी मुकाबले जापान के नागोया में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

विमेंस क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन 17 से 22 सितंबर तक किया जाएगा। इसके बाद मेंस क्रिकेट टूनामेंट 24 सितंबर से शुरू होगा और 1 अक्टूबर तक चलेगा। 2026 एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूनामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। वहीं, अफगानिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान की टीमें प्रीलिमिनरी राउंड में खेलेंगी।

क्रिकेटर आकाशदीप, मुकेश कुमार बने डीएसपी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई। वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया। ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

ऑस्ट्रेलिया–इंग्लैंड टेस्ट मैच भारत में कराने पर विचार

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के CEO टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि भविष्य में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच भारत में टेस्ट मैच कराने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में क्रिकेट के लिए बड़े मौके हैं, हालांकि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। ग्रीनबर्ग ने कहा, हमें सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ECB और BCCI दोनों के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। भारत में क्रिकेट का नया कंटेंट ले जाने के मौके हैं। अभी ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट क्रिकेट मजबूत स्थिति में है और इसे आगे बढ़ाना जरूरी है।

वैभव ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ▸▸ पटना

भारत ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे के हरारे ग्राउंड में खेले गए मैच में वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा।

मुकाबले में इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी आए। सूर्यवंशी ने फिफ्टी लगाने के बाद अपनी मां के नाम का पहला लेटर अ का साइन बनाया। उनकी मां का नाम आरती सूर्यवंशी है। सूर्यवंशी इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले दुनिया के यंगेस्ट प्लेयर बन गए। उन्होंने 15 साल 118 दिन की उम्र में फिफ्टी लगाई। वे फुल मेंबर देशों में ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल 213 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

सूर्यवंशी ने ओवरऑल इंटरनेशनल क्रिकेट में नेपाल के कुशल मल्ला का रिकॉर्ड तोड़ा। मल्ला ने 2020 में अमेरिका के खिलाफ वनडे में 15 साल 340 दिन की उम्र में फिफ्टी लगाई थी। सूर्यवंशी 15 साल 118 दिन की उम्र में टी-20 में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने जिब्राल्टर के लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा। लुई ने माल्टा के खिलाफ 16 साल 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। विदेश में सबसे ज्यादा भारतीयों ने टी-20 डेब्यू जिम्बाब्वे में किया है। अशोक शर्मा जिम्बाब्वे में टी-20 डेब्यू करने वाले 23वें भारतीय बने। ओवरऑल भारत में ही सबसे ज्यादा इंडियंस ने टी-20 डेब्यू किया है। देश में 31 भारतीय टी-20 डेब्यू कर चुके हैं।

भारत ने 40 गेंद रहते 126 रन का टारगेट हासिल कर लिया। 120 से ज्यादा के टारगेट में भारत का यह चौथा सबसे तेज रनचेज है। टीम ने इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे तेज रनचेज किया था। तब भारत ने 154 रन का टारगेट 60 गेंद बाकी रहते हासिल किया था।

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक–युवती की। पेन्ट–शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

लोकायुक्त कार्रवाई के बाद विभागों का अलग-अलग रवैया सवालों में

इंदौर। लोकायुक्त की रिश्वत ट्रैप कार्रवाई के बाद सरकारी विभागों का अलग-अलग रवैया सामने आया है। बिजली कंपनी ने 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए जेई को तत्काल हटाकर अटैच कर दिया, जबकि पीएचई विभाग ने 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ी गई इंजीनियर को विभागीय जांच पूरी होने से पहले ही कार्यपालन यंत्री पद पर पदोन्नत कर दिया। दोनों मामलों ने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे अधिकारियों के खिलाफ अपनाए जा रहे अलग-अलग मापदंडों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने 18 जुलाई को पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के उत्तर शहर संभाग के सुखलिया जोन में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री (जेई) नमेश कुमार भोंडेकर को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। बिल्डर एवं होटल व्यवसायी शिवकुमार बसवाल ने शिकायत की थी कि अंबे नगर स्थित उनके होटल में सोलर पैनल लगाने की फाइल आगे बढ़ाने के लिए जेई 80 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने ट्रैप कार्रवाई की।

17 वर्षीय बालिका की मौत पर 4 घंटे धरना नौकरी और मुआवजे के आश्वासन पर माने

पीथमपुर। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाले राऊ-पीथमपुर बायपास स्थित उत्कर्ष कॉलोनी के समीप शनिवार सुबह इस घटना से आक्रोशित स्थानीय रहवासियों और समाजजनों ने सड़कों पर उतरकर ट्रक निर्माता कंपनी की स्टाफ बसों को रोककर धरना शुरू कर दिया। यह तनाव की स्थिति सड़क हादसे में घायल 17 वर्षीय किशोरी रागिनी पासी की इलाज के दौरान मौत के बाद बनी। बता दें कि, 20 जुलाई को उत्कर्ष कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय रागिनी पासी अपनी स्कूटी से जा रही थी, तभी उत्कर्ष कॉलोनी के पास चौराहे पर एक तेज रफ्तार स्टाफ बस ने उसे और एक अन्य 19 वर्षीय युवती को टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल रागिनी ने जिंदगी और मौत से जूझते हुए शुक्रवार शाम अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि दूसरी घायल युवती का इलाज जारी है। किशोरी की मौत के बाद शनिवार सुबह परिजनों, समाजजनों और कॉलोनीवासियों ने कंपनी की करीब 7 स्टाफ बसों को रोककर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग पीथमपुर से 51 युवाओं का दल उज्जैन रवाना

पीथमपुर। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर से 51 युवाओं का दल गौ माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ उज्जैन महाकाल धाम के लिए रवाना हुआ। 'गौ सम्मान अभियान' के तहत आयोजित यह पदयात्रा दो दिनों में पूरी होगी। यात्रा के शुभारंभ पर स्थानीय निवासियों और गौ-भक्तों ने पुष्पवर्षा कर युवाओं का जोरदार स्वागत किया। यात्रा का नेतृत्व कर रहे चीतू ठाकुर और संयोजक जीतू ठाकुर ने बताया कि देश भर के साधु-महात्माओं के आह्वान पर यह अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में पीथमपुर के युवाओं ने एकजुट होकर पदयात्रा का संकल्प लिया। उन्होंने सरकार से करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान करते हुए गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने का अनुरोध किया है। पीथमपुर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई यह पदयात्रा उज्जैन पहुंचेगी। उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के साथ यात्रा का समापन होगा, जहां दल द्वारा गौ-रक्षा और गौ-सम्मान के लिए बाबा महाकाल के दरबार में विशेष अर्जी सौंपी जाएगी।

बारिश से पहले नगर निगम की कार्रवाई सात जर्जर भवन हटाए, 1 खाली कराया

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने बारिश के मौसम में जर्जर और अस्थिर मकानों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को निगम ने संजय सेतू ब्रिज के पास जीवन रेखा मार्ग स्थित खतरनाक मकानों पर कार्रवाई की। नगर निगम ने इस क्षेत्र में कुल 8 मकानों को चिह्नित किया था। इनमें से 7 मकानों को हटाया गया, जबकि एक मकान को खाली कराया गया। इन मकानों के नीचे की मिट्टी लगातार खिसक रही थी, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था। कार्रवाई के लिए नगर निगम का अमला जेसीबी और पोकलेन मशीनों के साथ मौके पर पहुंचा। पूरे अभियान के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था के बीच रिमूवल की कार्रवाई की गई। बिल्डिंग ऑफिसर सत्येंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर शहरभर में ऐसे भवनों का सर्वे किया जा रहा है, जो बारिश के दौरान अस्थिर हैं या गिरने की आशंका है। इसी क्रम में जीवन रेखा मार्ग पर स्थित 8 मकानों को चिह्नित किया गया था। मकानों के नीचे की मिट्टी खिसकने से उनके ढहने का खतरा था।

इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर बावड़ी बस स्टैंड पर हादसा, तीन लोग मामूली घायल

झाबुआ। झाबुआ जिले में शनिवार सुबह इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर सवारियां चढ़ा रही एक यात्री बस को पीछे से आए अनियंत्रित आईशर वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और तीन लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पिटोल से करीब 5 किलोमीटर दूर बावड़ी बस स्टैंड पर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक, मां शक्ति बस राणापुर से कुंदनपुर और पिटोल होते हुए झाबुआ की ओर जा रही थी। सुबह करीब 8.30 बजे बस बावड़ी बस स्टैंड पर रुककर यात्रियों को बस में बैठा रही थी, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आईशर वाहन ने बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में तीन यात्रियों को हल्की खरोंचें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक देखभाल दी गई। सूचना मिलने पर पिटोल चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने बताया कि सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

चातुर्मास में अखंड रामायण पारायण शुरू, चार महीने लगातार होगा पाठ

बदनावर। बदनावर में देवशयनी एकादशी पर चातुर्मास का शुभारंभ हुआ। हल्की बूंदाबांदी के बीच बस स्टैंड के समीप बलवंती नदी तट स्थित श्री आनंदेश्वर महादेव मंदिर में अभिजीत मुहूर्त में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संगीतमय अखंड रामायण पारायण का आरंभ किया गया। यह मंदिर में चातुर्मास के दौरान लगातार अखंड रामायण पारायण की 33वीं वर्ष की परंपरा है। पारायण शुरू होने से पहले श्री आनंदेश्वर महादेव, राम दरबार, बाल हनुमानजी और नवग्रह देवताओं का पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद मंगल भवन अमंगल हारी... चौपाई के साथ संगीतमय रामायण पाठ आरंभ हुआ। पहले दिन के पारायण की शुरूआत 5555 रुपये के गुप्त दान से हुई। मंदिर समिति ने बताया कि कोई भी श्रद्धालु 1101 रुपये की राशि जमा कराकर एक दिन के अखंड रामायण पारायण का लाभ प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम से पूर्व मंदिर के पुजारी पं. अखिलेश आनंद जोशी के सानिध्य में कोषाध्यक्ष ईश्वरलाल जोशी ने पूजन एवं आरती संपन्न कराई।

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलभराव से सड़क बदहाल

धार। धार जिले में नागदा-गुजरी ओवरब्रिज के नीचे स्थित इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में है। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और कई दिनों से यहां जलभराव बना हुआ है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे पानी में छिप जाने से वाहन चालकों को उनका अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बारिश के पानी से सड़क पूरी तरह ढक गई है। गड्ढों में भरे पानी के कारण वाहन चालकों को यह समझ नहीं आता कि सड़क समतल है या गहरी। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन अचानक गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। भारी वाहन जैसे ट्रक और बस जब तेज गति से गुजरते हैं तो सड़क पर भरा गंदा पानी उछलकर बाइक सवारों और राहगीरों पर गिरता है। कई बार अचानक पड़े पानी के छींटों और गड्ढों के कारण चालक संतुलन खो देते हैं, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग का यह हिस्सा प्रतिदिन हजारों वाहनों की आवाजाही वाला प्रमुख मार्ग है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की मरम्मत और जल निकासी की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लगातार जलभराव के कारण सड़क की स्थिति दिन-ब-दिन और खराब होती जा रही है।

इंदौर में देशभक्ति के गीतों पर झूमे छात्र, कटनी में मिठाई बांटकर पटाखे फोड़े

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से प्रदेश के स्टूडेंट्स भी खुश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सामने आते ही इंदौर में पिछले 25 दिनों से आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जश्न का माहौल बन गया। टंट्या भील चौराहे पर धरने पर बैठे छात्रों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई और धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी।

इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के गीतों पर झूमे और 'छात्र एकता जिंदाबाद' के नारे लगाए। छात्रों का कहना है कि यह उनके लंबे संघर्ष और एकजुटता की जीत है।

हालांकि उन्होंने साफ किया कि परीक्षा प्रणाली में पूरी पारदर्शिता और व्यापक सुधार की मांग पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उधर, रतलाम और कटनी में भी समर्थकों ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भोपाल के एमपी बोर्ड ऑफिस के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन किया। वे तिरंगा झंडा और डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लेकर बैठे।

छात्रों का प्रदर्शन, बोले- अभी तो शुरूआत है- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर छात्रों का प्रदर्शन शुरू हुआ। इस्तीफे के बाद छात्र गानों पर झूमकर डांस करते नजर आए। जेन जेड से जो टकराएगा, इस्तीफा देकर जाएगा। प्लेकार्ड लेकर पहुंचे छात्रों ने कहा, अभी तो शुरूआत है, कुछ सवाल अभी भी बाकी हैं।

खंडवा कांग्रेस का जश्न, नेताओं ने बांटी मिठाई

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खंडवा कांग्रेस कार्यालय में पार्टी जिलाध्यक्ष और नेताओं ने जश्न मनाया। एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने कहा, यह छात्रों की एकजुटता और राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम की जीत है।

रतलाम में मंत्री शाह बोले- मुझे नहीं मालूम

रतलाम आए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व रतलाम जिला प्रभारी मंत्री विजय शाह से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे कुछ मालूम नहीं।
प्रभारी मंत्री रतलाम जिले के बिरमावल में संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के लिए रतलाम आए थे। दोपहर में भोपाल रवाना होते समय स्टेशन पर उन्होंने केवल स्कूल के बारे में बात की। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सवाल पूछने पर उन्होंने मुझे नहीं मालूम कहा और आगे बढ़कर ट्रेन में चढ़ गए।

राजीव आवास विहार के 11 रो-हाउस कराए कब्जा मुक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने अपनी आवासीय संपत्तियों पर अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को स्कीम 114 स्थित राजीव आवास विहार में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में चलाए गए अभियान के दौरान 11 आवासीय रो-हाउस को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया।

सर सेठ हुकुमचंद जी की धर्म नगरी का पुण्य प्रबल हुआ

इंदौर। धर्म नगरी इंदौर का पुण्य प्रबल हुआ, सौभाग्य जाग उठा। वर्षों की प्रतिक्षा के बाद इंदौर नगर को निर्यापक मुनि तीर्थ रक्षक सुधा सागर जी महामुनि राज संसघ का पावन सान्निध्य प्राप्त होने जा रहा है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि निर्यापक मुनि श्री 108 सुधा सागर महाराज ससंघ का वर्ष 2026 का चातुर्मास इंदौर स्थित तीर्थ स्वरूप श्री आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर दलालबाग एरोड्रम रोड में संपन्न होगा।

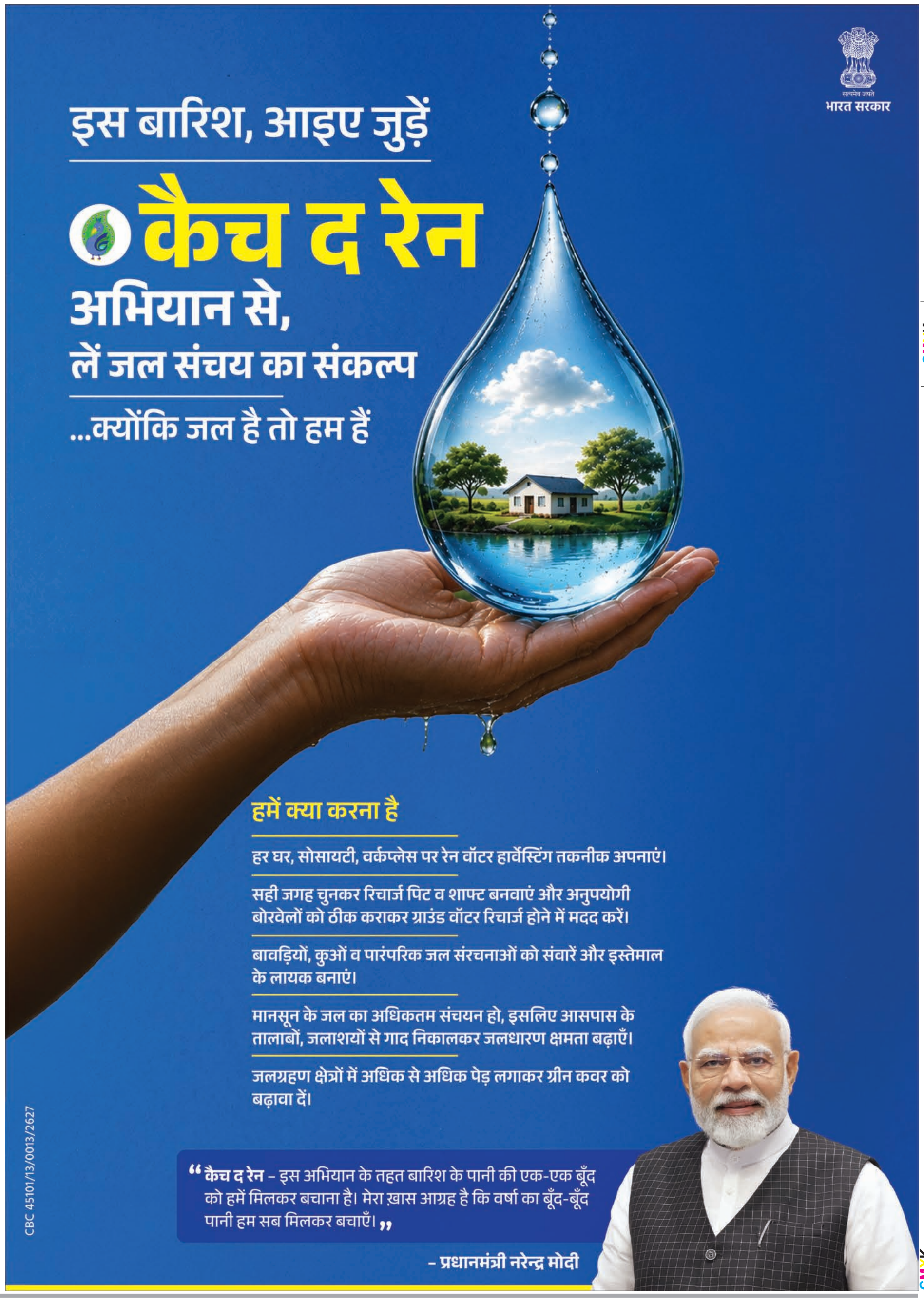

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com